राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उतरांचल,उतराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रकाशित

सुरत–गुजरात,संस्करण सोमवार 03 जून 2024 वर्ष–7,अंक–130 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पहला कॉलम

सिक्किम में एसकेएम और अरुणाचल में भाजपा सरकार

-एसकेएम ने 32 में से 31 सीटें जीती, अरुणाचल में भाजपा को कुल 46 सीट पर जीत मिली

-अरुणाचल में 10 विधायक निर्विरोध जीते थे, कांग्रेस के खाते में एक सीट आई

नई दिल्ली।

लोकसभा की 542 सीटों के साथ चार राज्यों आंध्र प्रदेश, ओडिशा, अरुणाचल प्रदेश और सिक्किम विधानसभा के लिए इस बार मतदान हुआ। शनिवार को एग्जिट पोल के बाद रविवार को अरुणाचल प्रदेश और सिक्किम विधानसभा के लिए हुए चुनाव की मतगणना हुई। सिक्किम में एसकेएम (सिक्किम क्रांतिकारी मोर्चा) और अरुणाचल में भाजपा को बहुमत मिला है। सिक्किम में सत्ताधारी सिक्किम क्रांतिकारी मोर्चा 32 में से 31 सीट जीतकर फिर से सरकार बनाने जा रही है। विपक्षी दल सिक्किम डेमोक्रेटिक फ्रंट को एक सीट मिली है। पूर्व सीएम पवन कुमार चामलिंग भी चुनाव हार गए हैं। उधर, अरुणाचल प्रदेश में भाजपा फिर सरकार बनाती दिख रही है। भाजपा को 60 में से 46 सीट पर जीत मिली है। भाजपा पहले ही 10 सीटें निर्विरोध जीत चुकी है। अरुणाचल में भाजपा ने सभी 60 सीटों पर चुनाव लड़ा था, जबकि कांग्रेस ने केवल 19 सीटों पर कैंडिडेट्स उतारे थे। जिसमें से कांग्रेस का एक प्रत्याशी जीत पाया। एनपीपी 5, एनसीपी 3, पीपीए 2 और निर्दलीय तीन सीटों पर विजयी रहे हैं। वहीं, सिक्किम में एसकेएम और एसडीएफ ने 32-32, वहीं 31 उम्मीदवार उतारे थे। कांग्रेस ने 12 सीटों पर चुनाव लड़ा था। सिटिजन एक्शन पार्टी-सिक्किम ने 30 सीटों पर कैंडिडेट उतारे थे। अरुणाचल और सिक्किम विधानसभा के लिए 19 अप्रैल को एक चरण में वोटिंग हुई थी।

कांग्रेस का खाता नहीं खुला

सिक्किम में कांग्रेस ने 12 सीटों पर चुनाव लड़ा था। 2019 के आम चुनावों के बाद एसकेएम का भाजपा के साथ गठबंधन हुआ था, लेकिन इस बार चुनावों से पहले भाजपा ने सिक्किम में अकेले चुनाव लडने का ऐलान करके गठबंधन तोड़ दिया था। 2019 में अरुणाचल में भाजपा ने 42 सीटें जीतकर सरकार बनाई थी। वहीं, सिक्किम में एसकेएम 32 में से 17 सीटों के साथ सत्ता पर काबिज है।

एसकेएम की सुनामी में सब बहे

सिक्किम की 32 सीटों पर कुल 146 उम्मीदवार चुनावी मैदान में थे। सिक्किम के चुनाव नतीजों में लोगों की नजरें दिग्गजों की सीटों पर थी, जिनमें मुख्यमंत्री, पूर्व मुख्यमंत्री, पूर्व फुटबॉल कप्तान भूटिया शामिल थे। इसके अलावा मुख्यमंत्री की पत्नी से लेकर पूर्व अभिनेत्री, आईएएस अधिकारी तक की किस्मत का भी फैसला हो गया है। सिक्किम के चुनाव में सोरेंग-चाकुंग और रेनॉक सबसे चर्चित सीटें थीं। इन दोनों सीटों से खुद मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग चुनाव मैदान में थे। उन्होंने दोनों ही सीटों पर जीत दर्ज कर ली है। तमांग ने सिक्किम एसडीएफ के सोमनाथ पौडयाल को 7,044 मत से हराकर रविवार को रेनॉक विधानसभा सीट जीत ली। वहीं, 7397 के अंतर से सोरेंग-चाकुंग में भी जीत दर्ज की।

सीएम की पत्नी भी जीतीं

पूर्व सीएम चामलिंग के सामने अन्य प्रमुख चेहरे भाजपा से पूर्व अभिनेत्री पूजा शर्मा थीं। वह नामचेयबुंग सीट पर चौथे नंबर पर रहीं। उन्हें मात्र 374 वोट मिले। इसके अलावा नामची-सिंघीथांग सीट का मुकाबला भी दिलचस्प रहा। यहां मुख्यमंत्री तमांग की पत्नी कृष्णा कुमारी राय ने जीत हासिल की।

आंध्र में भाजपा गठबंधन 100 पार

आंध्र प्रदेश में चार एग्जिट पोल ने भाजपा, टीडीपी और जन सेना पार्टी के गठबंधन को 100 सीटें यानी बहुमत मिलने का अनुमान जताया है। वहीं, दो एग्जिट पोल में वायएसआरसीपी को बहुमत मिलता दिख रहा है। कांग्रेस को एक भी सीट नहीं मिल रही। वहीं अरुणाचल प्रदेश में इंडिया-टुडे एक्सिस माय इंडिया ने भाजपा को 44 से 51 सीट का अनुमान लगाया। वहीं कांग्रेस को 1 से 4 सीट मिल सकती है। एनपीपी को 2 से 6 सीट का अनुमान जताया है। 175 सीटों वाले आंध्र प्रदेश में 13 मई को वोटिंग हुई थी। आंध्र प्रदेश में विधानसभा की 175 सीटें हैं। सरकार बनाने के लिए 88 विधायक चाहिए।

राजस्थान में आंधी- बारिश ने लोगों को गर्मी से राहत दी

जयपुर । राजस्थान का मौसम बदल गया है। एक दिन पहले तक प्रदेश के सभी जिलों में लोग प्रचंड गर्मी और तीव्र लू में झुलस रहे थे। अब आंधी और बारिश ने लोगों को गर्मी से बड़ी राहत दी है। जयपुर सहित प्रदेश के कई जिलों में शनिवार को बारिश हुई और आंधी चली। तेज हवाओं और बारिश में गर्मी अचानक गायब हो गई। रात भी सुहानी और ठंडी रही। मौसम विभाग के मुताबिक आज और कल भी प्रदेश के कई जिलों में बारिश होगी। मौसम केंद्र जयपुर की ओर से प्रदेश के 12 जिलों में आंधी और बारिश का येलो अलर्ट जारी किया गया है। जिन जिलों में अलर्ट जारी किया गया है। उनमें अलवर, भरतपुर, दौसा, धौलपुर, जयपुर, झुंझुनूं, करौली, सवाई माधोपुर, सीकर, टोंक, चूरू, हनुमानगढ़ और गंगानगर शामिल हैं। मौसम विभाग के अनुसार इन जिलों और आसपास के क्षेत्रों में 40 से 50 किलोमीटर की रफ्तार से तेज हवाएं चलने की संभावनाएं हैं। साथ ही हल्की से तेज बारिश भी हो सकती है।

कटरा में नहीं खा सकते अब तंबाकू

जम्मू। यदि आप तंबाकू सेवन के आदि हैं तो यह खबर आपके लिए बुरी हो सकती है, क्योंकि जम्मू प्रशासन ने कटरा में सिगरेट समेत अन्य तंबाकू उत्पादों की बिक्री, उन्हें रखने तथा उनके सेवन पर प्रतिबंध लगा दिया है। अधिकारिक सूत्रों से प्राप्त जानकारी अनुसार कटरा में तंबाकू सेवन प्रतिबंधित कर दिया गया है, यह इसलिए भी जरुरी था क्योंकि यहां माता वैष्णो देवी का प्रसिद्ध मंदिर स्थित है। इस मामले में रियासी के जिलाधिकारी विशेष महाजन का कहना था कि विश्व तंबाकू निषेध दिवस पर यह प्रतिबंध शुरू किया गया है। इस पहल का उद्देश्य धार्मिक स्थान की पवित्रता को बनाए रखा जाना है जहां हर साल लाखों तीर्थयात्री दर्शन के लिए आते हैं। प्रशासन ने कटरा और आसपास के क्षेत्रों में मांस और मदिरा की भी बिक्री पर रोक लगा दी है। महाजन के मुताबिक धारा 144 के तहत नुमाई और पंथाल चेक पोस्ट से लेकर तारा कोर्ट, भवन तक के इलाकों में सिगरेट, गुटखा और अन्य प्रकार के तंबाकू उत्पाद के भंडारण, बिक्री और उनके सेवन पर प्रतिबंध लगाया गया है।

गुजरात समेत देश में भाजपा की जीत पर लगेगी ब्रेक, इंडिया गठबंधन सरकार बनाएगा : कांग्रेस

अहमदाबाद । देश में लोकसभा चुनाव संपन्न हो चुके हैं और 4 जून उसके नतीजे भी सामने आ जाएंगे। चुनाव नतीजों का सत्तापक्ष और विपक्ष समेत देश की जनता को भी बड़ी बेसब्री से इंतजार है। चुनाव नतीजों से पहले सामने आए ज्यादातर एग्जिट पोल में भाजपानित एनएडीए को बहुमत मिलने की संभावना व्यक्त की गई है। हांलाकि विपक्ष ने इसे खारिज करते हुए दावा किया है कि 4 जून को इंडिया गठबंधन को बहुमत मिलेगा और वही सरकार बनाएगा। कांग्रेस ने दावा किया है कि गुजरात समेत देश में भाजपा की जीत पर ब्रेक लगाते हुए इंडिया गठबंधन सरकार बनाएगा। गुजरात प्रदेश कांग्रेस के पूर्व प्रमुख जगदीश ठाकोर भूतकाल के एग्जिट पोल को हवाला देते हुए कहा कि पहले भी ये झूठे साबित हो चुके हैं। कांग्रेस की जीत का विश्वास व्यक्त करते हुए ठाकोर ने कहा कि जनता फिर एक बार एग्जिट पोल को झूठा साबित कर देगी। देश की जनता ने मुद्दों को ध्यान में रखते हुए मतदान किया है और यह पूरे देश में साबित हुई है। उन्होंने कहा कि इस बार भाजपा जीत की हैट्रिक नहीं लगा पाएगी। भाजपा की जीत पर ब्रेक लगाकर इंडिया गठबंधन शानदार जीत दर्ज करेगा। गुजरात की सभी 26 सीटों पर भाजपा की जीत की हैट्रिक लगाने का सपना भी चूर चूर हो जाएगा। जगदीश ठाकोर ने विश्वास व्यक्त किया कि महाराष्ट्र, राजस्थान, मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, बिहार जहां कांग्रेस का खाता नहीं खुला था, वहां भी इंडिया गठबंधन जीत रहा है।

संविधान सर्वोच्च, अधिकारों के साथ कर्तव्यों के प्रति भी सजग रहें-मिश्र

जयपुर । राजभवन में तेलंगाना राज्य का स्थापना दिवस मनाया गया। राज्यपाल कलराज मिश्र ने इस अवसर पर बधाई और शुभकामनाएं देते हुए तेलंगाना के स्थानीय लोगों से मुलाकात कर उनसे संवाद भी किया। मिश्र ने तेलंगाना के इतिहास की चर्चा करते हुए इस प्रदेश को पर्यटन से भी समृद्ध बताया। उन्होने कहा कि तेलंगाना शब्द का इस्तेमाल निज़ामों ने अपने राज्य के मराठी भाषी क्षेत्रों से इसे अलग करने के लिए किया था। तेलंगाना ऐतिहासिक दृष्टि से बहुत समृद्ध प्रदेश है। हैदराबाद तेलंगाना का सबसे विशाल और सबसे अधिक आबादी वाला शहर है और यह दक्षिण-मध्य आंतरिक भारत का प्रमुख शहरी केंद्र है। उन्होंने युवा राज्य तेलंगाना में नवाचार और उद्यमिता के प्रयासों की सराहना की तथा इसके उत्तरोत्तर विकास की कामना की। राज्यपाल मिश्र ने कहा कि राजभवन में राज्यों के स्थापना दिवस मनाने के पीछे भावना यही है कि एक भारत श्रेष्ठ भारत की सोच से हम सभी जुड़ सकें। उन्होंने कहा कि विभिन्न राज्यों में भाषाई, रहन-सहन, खान-पान की विविधता के बाद भी हमारे यहां एकता का भाव है। इसी से समरसता का निर्माण होता है। उन्होंने संविधान को सर्वोच्च बताते हुए अधिकारों के साथ कर्तव्यों के प्रति भी सजग रहने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि संविधान भारतीय जीवन मूल्यों का जीवंत दस्तावेज है। उन्होंने संविधान की मूल प्रति पर उकेरे चित्रों की चर्चा करते हुए कहा कि इनमें भारत के इतिहास और संस्कृति के साथ उदात्त जीवन मूल्यों का ओज समाया हुआ है।

मतगणना के दो दिन पहले चुनाव आयोग ने बदले नियम...आयोग के इस निर्णय का हो रहा विरोध

पोस्ट वैलेट की मतगणना, ईवीएम की मतगणना के बाद

नई दिल्ली । (एजेंसी)

केंद्रीय चुनाव आयोग ने मतगणना के दो दिन पहले पोस्टल वैलेट के मतगणना करने का नियम बदल दिया है। इस बदलाव पर राज्यसभा के सदस्य और वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल और अभिषेक मनु सिंघवी ने कड़ी आपत्ति जताई है। मनु सिंघवी इस बदलाव को लेकर रविवार को मुख्य चुनाव आयुक्त से मिले। उन्होंने चुनाव आयोग के निर्णय पर आपत्ति जताते हुए कहा, इसका अधिकार चुनाव आयोग के पास नहीं है। नियम को प्रशासकीय आदेश से नहीं बदला जा सकता है। देशभर में चुनाव आयोग के इस निर्णय पर बड़ी तीव्र प्रतिक्रिया हो रही है। इलेक्शन कमीशन ने प्रशासनिक आदेश के तहत नियमों में बदलाव किया है।इसकी अधिकारिता को लेकर सवाल उठाया है। नियम के अनुसार ही वैलेट पेपर की मतगणना सबसे पहले कराने का अनुरोध किया है।

कपिल सिब्बल ने भी डाक मत पत्रों की संख्या में अचानक वृद्धि होने और नियम बदलने से पोस्ट वेलेट के जरिए चुनाव परिणामों मैं गड़बड़ी की जा सकती है। उन्होंने भी पोस्टल वेलेट की मतगणना पहिले कराने की मांग की है। उन्होंने चुनाव आयोग से कहा है, प्रत्येक मतगणना केंद्र पर फार्म 17 सी के अनुसार मतगणना कराई जानी चाहिए। कई सीटों पर कुछ हजार मतों या कुछ सौ मतों के अंतर से जीत हार होती है। ऐसी स्थिति में इसका विरोध सभी राजनीतिक दल कर रहे हैं।

अमित शाह के 150 कलेक्टरों को फोन कॉल का दावा

चुनाव आयोग ने जयराम रमेश से अमित शाह के 150 जिलाधिकारियों को किए गए फोन कॉल के बारे में विस्तृत जानकारी मांगी है। कांग्रेस नेता ने आरोप लगाया था कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह कलेक्टरों को फोन कर रहे हैं और खुलेआम धमकाने में लगे हैं। चुनाव के दौरान जिला मजिस्ट्रेट और कलेक्टर अपने-अपने जिलों के रिटर्निंग अधिकारी होते हैं। आयोग ने कहा कि आज तक किसी भी जिला मजिस्ट्रेट ने ऐसे किसी तरह के फोन कॉल की सूचना नहीं दी है। हालांकि, चुनाव आयोग ने सीनियर नेता के आरोपों की गंभीरता को देखते हुए जनहित में इस मुद्दे पर ध्यान दिया है।

इलेक्शन कमीशन पर भरोसा नहीं रहा

इसके जवाब में रविवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में जयराम रमेश ने कहा कि कांग्रेस इलेक्शन कमीशन का सम्मान करती है, लेकिन अब तक यह संस्था जिस तरह से काम करती आई है, उसकी वजह से इस पर भरोसा नहीं किया जा सकता है। इलेक्शन कमीशन संवैधानिक संस्था है, इसे निष्पक्ष होना चाहिए। लोग न सिर्फ पार्टियों, कैंडिडेट्स को बल्कि इलेक्शन कमीशन को भी देख रहे हैं।

असम में बाढ़ से छह लाख से ज्यादा लोग प्रभावित

-एनडीआरएफ, एसडीआरएफ व प्रशासन चला रहा बचाव अभियान

नई दिल्ली। (एजेंसी)

देश में जहां कई राज्यों में भीषण गर्मी ने लोगों को जीना मुहाल कर रखा है वहीं असम में बाढ़ से कई लोग प्रभावित हैं। बाढ़ की स्थिति में अभी कोई सुधार नहीं है। 10 जिलों में छह लाख से ज्यादा लोग अब भी प्रभावित हैं। अधिकारियों ने रविवार को बताया कि राज्य के कई इलाकों में भारी बारिश से नदियों का जलस्तर बढ़ गया, जिससे लोगों को सुरक्षित स्थानों पर ले जाया गया। कोपिली, बराक और कुशियारा नदियां खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं। बाढ़ से नागांव, कछार, डिब्रूगढ़, गोलाघाट, कार्बी आंगलोंग, हैलाकांडी होजाई, मोरीगांव, करीमगंज पश्चिम और दीमा हसाओ जिलों में कुल 6,01,642 लोग प्रभावित हुए हैं। 28 मई से अब तक बाढ़ और तूफान में मरने वालों की संख्या 15 हो गई है। नागांव सबसे ज्यादा प्रभावित जिला है जहां 2.79 लाख से लोग प्रभावित हुए जबकि होजाई में 1,26,813 और कछार में 1,12,265 लोग प्रभावित हुए हैं।

राज्य में 40,000 से ज्यादा लोगों ने राहत शिविरों में शरण ले रखी है। एनडीआरएफ, एसडीआरएफ, स्थानीय प्रशासन और आम नागरिकों द्वारा बचाव और राहत अभियान चलाया जा रहा है। राज्य के कई हिस्सों में सड़क और रेल संपर्क टूट गया है।

एग्जिट पोल नहीं इसे मोदी मीडिया पोल कहिए

राहुल गांधी ने लोकसभा चुनाव के पूर्वानुमानों पर कसा तंज

नई दिल्ली। (एजेंसी)

लोकसभा चुनाव 2024 को लेकर अधिकांश एग्जिट पोल्स भाजपा नेतृत्व वाले एनडीए की जीत बतला रहे हैं। इसे कांग्रेस ने सिरे से खारिज किया है और दावा किया है कि नतीजे इससे हटकर आएंगे और इंडिया गठबंधन सरकार बनाएगा। इसी बीच कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने एग्जिट पोल पर तंज कसा और कहा कि यह एग्जिट पोल नहीं, बल्कि मोदी मीडिया पोल है।

लोकसभा चुनाव के अंतिम चरण का मतदान पूर्ण होने के साथ ही शनिवार शाम से ही एग्जिट पोल्स एनडीए की सरकार बनाते दिख रहे हैं। इसे लेकर कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने व्यंग्यात्मक शैली में कहा है कि ये एग्जिट पोल नहीं बल्कि मोदी मीडिया पोल है। वो यहीं नहीं रुकते बल्कि आगे कहते हैं कि यह तो उनका फैंटेसी पोल है। यहां राहुल गांधी ने खास अंदाज में इंडिया गठबंधन को 295 सीटें मिलने का दावा किया, वो कहते हैं कि क्या आपने सिद्धू मूसा वाला का गाना 295 सुना है? बस वही 295। इस अवसर पर कांग्रेस महासचिव के सी वेणुगोपाल ने एग्जिट पोल्स को फर्जी करार दिया और कहा कि उन्होंने पार्टी के पीसीसी अध्यक्षों, मुख्यमंत्रियों, प्रभारियों और उम्मीदवारों से जो चर्चा की है, उसमें सभी जीत के प्रति आश्वस्त हैं। जहां तक एग्जिट पोल्स की बात है तो यह सरकार के लिए बनाए गए हैं और एक फर्जी पोल है। वेणुगोपाल ने भी दावा किया कि इंडिया गठबंधन को 295 सीटें मिलेंगी और निश्चय ही सरकार बनाएंगे। वहीं कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने एग्जिट पोल को सरकार के द्वारा प्रबंधित बताया, जो एक साजिश के तहत किया गया है। उन्होंने कहा कि एग्जिट पोल और 4 जून के वास्तबिक नतीजों में बहुत बड़ा अंतर होगा। जयराम रमेश ने भी इंडिया गठबंधन की बैठक का हवाला देते हुए दावा किया कि इंडिया गठबंधन को 295 सीटें मिल रही हैं।

सीएम केजरीवाल ने किया आत्मसमर्पण

-चुनाव प्रचार के लिए मिली थी 21 दिनों की जमानत

नई दिल्ली। (एजेंसी)

सुप्रीम कोर्ट द्वारा दी गई निर्धारित तारीख के अनुसार दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने आज रविवार शाम तिहाड़ जेल में आत्मसमर्पण कर दिया। इससे पहले वो राजघाट, हनुमान मंदिर गए और पार्टी नेताओं से मिलकर चर्चा भी की। इस आशय की जानकारी दे रहे दिल्ली के मंत्री कैलाश गहलोत ने कहा कि सीएम केजरीवाल ने हमें उनके बारे में नहीं सोचने और काम करते रहने के लिए कहा है। इससे पहले दिल्ली के मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल दिल्ली स्थित पार्टी कार्यालय पहुंचे थे, जहां उन्होंने आप नेताओं से मुलाकात कर आगामी रणनीति पर बात भी की। गौरतलब है कि 10 मई को लोकसभा चुनाव प्रचार करने के लिए सुप्रीम कोर्ट ने उन्हें 21 दिन की अंतरिम जमानत दे दी थी। जमानत अवधि समाप्त होने पर अरविंद केजरीवाल आज रविवार को तिहाड़ जेल में आत्मसमर्पण करने के लिए पार्टी कार्यालय से निकले तो सभी की आंखें नम हो गईं। दरअसल अदालत ने उन्हें 2 जून को तिहाड़ जेल में आत्मसमर्पण करने के लिए कहा था। इससे पहले सीएम केजरीवाल ने हनुमान मंदिर में दर्शन कर प्रार्थना की और उसके बाद पार्टी नेताओं से मिलकर चर्चा की।

04 जून के बाद तानाशाही खत्म होगी और केजरीवाल बाहर आएंगे

दिल्ली के मंत्री गोपाल राय ने केजरीवाल को जेल भेजे जाने को लेकर कहा, कि दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल सुप्रीम कोर्ट द्वारा दी गई 21 दिनों की जमानत पर चुनाव प्रचार करने के लिए बाहर आए हुए थे। अब वो वापस जेल चले गए हैं और उम्मीद है कि 4 जून के बाद तानाशाही खत्म होने जा रही है, जिसके बाद वो जल्द ही बाहर आएंगे। इसी बीच मंत्री गोपाल राय ने कहा कि एग्जिट पोल्स पर तो पूरा देश ही सवाल खड़े कर रहा है, अब वास्तविक नतीजे 4 जून को आएंगे तो स्थिति स्पष्ट हो जाएगी। इसी के साथ तानाशाही खत्म होगी और सीएम केजरीवाल बाहर आ जाएंगे।

मालगाड़ियां आपस में टकराई, दो लोको पायलट गंभीर रुप से घायल

-मालगाड़ी का इंजन यात्री ट्रेन पर पलटा, मची अफरा-तफरी

गुरदासपुर । (एजेंसी)

पंजाब के माधोपुर गांव में दो मालगाड़ियों आमने सामने टकरा गईं। इस हादसे में गाड़ी के दो लोको पायलट घायल हो गए हैं। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। दोनों पायलटों की हालत को देखते हुए उन्हें राजिंदर अस्पताल रेफर कर किया गया है। दोनों घायल पायलटों की पहचान यूपी के सहारनपुर निवासी विकास कुमार और हिमांशु कुमार के रूप में हुई है। एक के सिर में तो दूसरे की पीठ में गंभीर चोटें आई हैं।

जानकारी के मुताबिक यह हादसा पंजाब के न्यू सरहिंद स्टेशन के पास हुआ है। बताया जा रहा है कि स्टेशन पर दो मालगाड़ियां खड़ी थीं। इनमें कोयला भरा था। दोनों गाड़ियों को पंजाब जाना था, लेकिन रविवार सुबह एक मालगाड़ी का इंजन दूसरी मालगाड़ी से जाकर टकरा गया। इंजन टकराने से दूसरा इंजन पलटकर अंबाला से जम्मूतवी जा रही पैसेंजर गाड़ी से टकरा गया। इससे यात्रियों में अफरा-तफरी मच गई। इससे पैसेंजर ट्रेन यात्रियों को कोई भी नुकसान पहुंचा है। रेलवे ट्रैक क्षतिग्रस्त हो गया है।

एनआई के भेजे विजुअल्स में साफ देखा जा सकता है कि दोनों मालगाड़ियों के डिब्बे एक दूसरे के ऊपर चढ़ गए हैं। हादसे में किसी की जान जाने की खबर नहीं है, लेकिन दोनों लोको पायलट को गंभीर चोटें आई हैं। इस भीषण हादसे के बाद रेलवे अधिकारियों और बचाव दल घटनास्थल पर पहुंच गया। बताया जा रहा है कि इस भीषण हादसे में गाड़ी का इंजन पटरी से उतरकर अंबाला से जम्मूतवी की ओर जा रही पैसेंजर गाड़ी समर स्पेशल में फंस गया।

इससे यात्री ट्रेन को नुकसान हुआ है। हालांकि राहत की बात यह है कि इससे पैसेंजर ट्रेन में किसी तरह का जानी नुकसान नहीं पहुंचा है। हादसे के बाद पैसेंजर ट्रेन में दूसरा इंजन लगाकर ट्रेन को राजपुरा रवाना किया गया। हादसे से रेलवे लाइन बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई है। रेलवे कर्मचारी पटरियों को दुरुस्त करने में जुटे हैं। अधिकारियों ने हादसे की जांच के आदेश दिए हैं।

संपादकीय

आशा की खिड़की

निश्चय ही इसे भारत व पाक के संबंधों के इतिहास में एक महत्वपूर्ण क्षण कहा जा सकता है। पाक के पूर्व प्रधानमंत्री तथा वर्तमान सत्ता की धुरी नवाज शरीफ ने अब पच्चीस साल बाद माना है कि उनके देश ने 1999 के लाहौर घोषणापत्र का उल्लंघन किया था। निश्चित रूप से इस स्वीकारोक्ति ने एक बार फिर कारगिल युद्ध के गहरे जख्मों को फिर से हरा कर दिया है। दरअसल, मंगलवार को सत्तारूढ़ पीएमएल-एन के अध्यक्ष पद की ताजपोशी के वक्त पार्टी की जनरल काउंसिल की बैठक में नवाज शरीफ ने यह बात कही। अपरोक्ष रूप से पाकिस्तान ने स्वीकार किया है कि भारत की पहल पर शुरू की गई शांति की पहल को इस घटनाक्रम ने पलीता लगाया था। यह एक हकीकत है कि तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के शांति प्रयासों व उनकी लाहौर यात्रा को कारगिल के घात से आघात लगा था। जिसके चलते 21 फरवरी 1999 को हस्ताक्षरित लाहौर घोषणा से क्षेत्र में शांति व स्थिरता की कोशिशों पर पानी फिर गया था। समझौते के कुछ ही महीने बाद पाक सेना के संरक्षण में पाक घुसपैठियों की कोशिश ने फिर एक युद्ध जैसा रूप ले लिया था। ऐसे में सवाल उठना स्वाभाविक है कि शरीफ द्वारा पिछली गलती को स्वीकार करना क्या संबंधों में विश्वास बहाली का मार्ग प्रशस्त करना है या फिर कोई दुरभिसंधि की कोशिशें हैं? क्या वे पाक हुकमरानों को फिर से भारत के प्रति अपने दृष्टिकोण के पुनर्मूल्यांकन के लिए प्रेरित कर रहे हैं? क्या शरीफ का नेतृत्व आत्मनिरीक्षण के जरिये दोनों देशों के संबंधों को फिर से पटरी पर लाने की ईमानदार कोशिश कर रहा है? बहरहाल, भारत व पाक संबंधों की वर्तमान स्थिति के मद्देनजर शरीफ का कबूलनामा व्यापक भू-राजनीतिक संदर्भों में महत्वपूर्ण पहल कही जा सकती है। यह तथ्य किसी से छिपा नहीं है कि वर्ष 2019 के पुलवामा हमले के बाद दोनों देशों के राजनयिक संबंध बेहद खराब दौर में पहुंच गये थे। जिसके बाद दोनों देशों ने अपने मिशनों का स्तर तक कम किया था। बहरहाल, अस्थिरता से घिरे इस क्षेत्र में नवाज शरीफ की हालिया टिप्पणी संबंधों में सुधार-सुलह के लिये एक नई खिड़की तो खोलती ही है। निश्चित रूप से वक्त का तकाजा है कि ऐतिहासिक कटुताओं को पार्श्व में रखकर कूटनीतिक रणनीतियों पर नये सिरे से विचार किया जाए। यह भी जरूरी है कि बातचीत के लिये नये रास्ते तलाशने हेतु इस मौके को अवसर में बदला जाए। भले ही पाकिस्तान आर्थिक व राजनीतिक रूप से बेहद कमजोर स्थिति में हो , हमें भविष्य मे शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व की संभावनाओं को फिर से परिभाषित करने का प्रयास करना चाहिए। शरीफ के बयान को इसलिए भी महत्वपूर्ण माना जाना चाहिए कि फिलहाल पाकिस्तान में नवाज शरीफ के भाई शहबाज शरीफ गठबंधन सरकार में प्रधानमंत्री हैं। साथ ही नवाज सत्तारूढ़ दल पीएमएल-एन के अध्यक्ष चुने गये हैं। कहीं न कहीं शरीफ के हालिया बयान का एक निष्कर्ष यह भी हो सकता है कि पाकिस्तान में लोकतांत्रिक ढंग से चुनी सरकारें तो दोनों देशों के बेहतर संबंध बनाने के लिये प्रयत्नशील रहती हैं लेकिन ऐसी कोशिशों को पलीता लगाने का काम पाक सेना करती है। यह तथ्य किसी से छिपा नहीं है कि भारत पर हुए तमाम बड़े आतंकवादी हमले बिना पाक सेना की ट्रेनिंग व मदद के संभव नहीं थे। आतंकवादियों को मिला परंपरागत सेना जैसा प्रशिक्षण ही भारतीय सेना व सुरक्षा बलों के लिए मुश्किलें पैदा करता रहा है। हाल-फिलहाल भी सेना परदे के पीछे से पाकिस्तान की सियासत को नियंत्रित करती रही है।

आज का राशिफल

मेष पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। भाई या पड़ोसी से तनाव मिलेगा। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के योग हैं।

वृषभ जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। आर्थिक तथा व्यावसायिक योजना सफल होगी। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

मिथुन पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। किसी बहुमूल्य वस्तु के पाने की अभिलाषा पूरी होगी। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

कर्क बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। व्यावसायिक योजना सफल होगी। कोई महत्वपूर्ण निर्णय न लें। विरोधी परास्त होंगे। धन लाभ की संभावना है।

सिंह पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। क्रोध व भावुकता में लिया गया निर्णय कष्टकारी होगा। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे।

कन्या जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। यात्रा में अपने सामान के प्रति सचेत रहें चोरी या खोने की आशंका है। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

तुला जीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। व्यर्थ के तनाव मिलेंगे।

वृश्चिक पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। संतान के कारण चिंतित रहेंगे। वाद विवाद की स्थिति से बचें। आर्थिक योजना सफल होगी। जल्दबाजी में कोई निर्णय न लें। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।

धनु व्यावसायिक तथा आर्थिक योजना फलीभूत होगी। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। अनावश्यक खर्च का सामना करना पड़ सकता है। पारिवारिक जनों का सहयोग मिलेगा।

मकर पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। किया गया परिश्रम सार्थक होंगे।

कुम्भ रोजी रोजगार की दिशा में सफलता मिलेगी। व्यावसायिक योजना फलीभूत होगी। वाणी की सौम्यता व्यर्थ के विवादों से आपको बचा सकतीहै। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

मीन जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। स्थानान्तरण व परिवर्तन के योग हैं। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे। पराक्रम में वृद्धि होगी। वाणी पर नियंत्रण रखें।

पर्यावरण हितैषी वाहन है साइकिल

(लेखक-रमेश सर्राफ धमोरा)

(3 जून विश्व साइकिल दिवस पर विशेष)

भारत की आर्थिक तरक्की में साइकिल ने बहुत अहम भूमिका निभाई है। आजादी के बाद से ही साइकिल देश में यातायात व्यवस्था का अनिवार्य हिस्सा रही है। खासतौर पर 1960 से लेकर 1990 तक भारत में ज्यादातर परिवारों के पास साइकिल थी। यह व्यक्तिगत यातायात का सबसे ताकतवर और किफायती साधन था। गांवों में किसान साप्ताहिक मंडियों तक सब्जी और दूसरी फसलों को साइकिल से ही ले जाते थे। दूध की सप्लाई गांवों से पास से कस्बाई बाजारों तक साइकिल के जरिये ही होती थी। डाक विभाग का तो पूरा तंत्र ही साइकिल के बूते चलता था। आज भी पोस्टमैन साइकिल से चिट्ठियां बांटते हैं। चीन के बाद आज भी भारत दुनिया में सबसे ज्यादा साइकिल बनाने वाला देश है।

दो सौ साल पहले 12 जून 1817 को जर्मनी के मैनहेम में बैरन कार्ल वॉन ड्रैस ने दुनिया की पहली साइकिल पेश की थी। यह लकड़ी से बना था और इसमें पैडल, गियर या जंजीर नहीं थी। उसने खुद को पहले एक पैर से और फिर दूसरे पैर से धकेला। उन्होंने इसे लॉफमाशाइन (जर्मन में चलने वाली मशीन) कहा। अब तो जापान के फुकुकोआ शहर में छात्रों ने एक ऐसी साइकिल बनाई है जो हवा से चलती है। इसकी अधिकतम रफ्तार 64 किलोमीटर प्रति घंटा है। गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड ने इसे कंप्रेस्ड हवा से चलने वाली दुनिया में सबसे तेज साइकिल का सर्टिफिकेट दिया है। 3 जून 2018 को विश्व में पहला विश्व साइकिल दिवस मनाया गया। तब से दुनिया में प्रतिवर्ष साइकिल दिवस मनाया जाने लगा है। इस बार हम छठवां विश्व साइकिल दिवस मना रहे हैं। संयुक्त राष्ट्र संघ ने परिवहन के सामान्य, सस्ते, विश्वसनीय, स्वच्छ और पर्यावरण अनुकूल साधन के रूप में इसे बढ़ावा देने के लिए विश्व साइकिल दिवस को मनाने की घोषणा की थी।

भारत में भी विकसित की जा रही ज्यादातर आधारभूत आधुनिक संरचनाएं मोटर-वाहनों को ही सुविधा प्रदान करने के लिए बन रही हैं। साइकिल जैसे पर्यावरण-हितैषी वाहन को नजरअंदाज किया जा रहा है। जबकि शहरी व ग्रामीण परिवहन में भी साइकिल का महत्वपूर्ण स्थान है। खासतौर से कम आय-वर्ग के लोगों के लिए साइकिल उनके जीविकोपार्जन का एक सस्ता, सुलभ और जरूरी साधन है। यह इसलिए भी कि भारत का कम आय-वर्ग के लोग अपनी कमाई से प्रतिदिन सौ-पचास रुपये परिवहन पर खर्च करने में सक्षम नहीं हैं।

भारत सरकार अपनी साइकिल परिवहन व्यवस्था में कुछ जरूरी मूलभूत सुधार करके आम और खास लोगों को साइकिल चलाने के लिए प्रेरित कर सकती है। सरकार के इस कदम से ऐसे सभी लोग प्रेरणा पा सकते हैं। जिनकी प्रतिदिन औसत यातायात दूरी पांच-सात किलोमीटर के आसपास बैठती हैं। हमारे देश की कई राज्य सरकारें अपने स्कूली छात्र-छात्राओं को बड़ी संख्या में साइकिल वितरण कर रही हैं। जिससे साइकिल सवारों की संख्या में वृद्धि हुई है। 'द एनर्जी ऐंड रिसर्च इंस्टीट्यूट' के अनुसार पिछले एक दशक में साइकिल चालकों की संख्या ग्रामीण क्षेत्रों में 43 फीसदी से बढकर 46 फीसदी हुई है। जबकि शहरी क्षेत्रों में यह संख्या 46 फीसदी से घटकर 42 फीसदी पर आ गई है। इसकी मुख्य वजह साइकिल सवारी का असुरक्षित होना ही पाया गया है। बच्चे सबसे पहले साइकिल चलाना ही सीखते है। इसलिये बचपन में हम सभी ने साइकिल चलाई है। पहले के जमाने में जिसके पास साइकिल होती थी वह बहुत प्रतिष्ठित व्यक्ति माना जाता था। गांव के लोग जब कभी शहरों में जाते थे। तब लोगों को साइकिल चलाते हुए देखते थे और फिर वे खुद भी धीरे-धीरे साइकिल चलाना सीख जाते थे। पहले शहरों में किराए पर भी साइकिले मिलती थी। देश की युवा पीढ़ी को अब साइकिल के बजाय मोटरसाइकिल ज्यादा अच्छी लगने लगी है। शहरों में मोटरसाइकिल का शौक बढ़ रहा था। गांवों में भी इस मामले में बदलाव की शुरुआत हो चुकी थी। इसके बावजूद भारत में साइकिल की अहमियत खत्म नहीं हुई है। 1990 के बाद से साइकिलों की बिक्री में बढ़ोतरी आई है। लेकिन ग्रामीण इलाकों में इसकी बिक्री में गिरावट आई है। दरअसल 1990 से पहले जो भूमिका साइकिल की थी। उसकी जगह गांवों में मोटरसाइकिल ने ले ली है। इसके उपरांत भी साइकिल आज भी हमारे जीवन का अभिन्न अंग हैं। देश में लॉकडाउन के दौरान दूसरे प्रदेशों में कमाने गए लाखों लोग साइकिल पर 1000-1500 किलोमीटर की दूरी तय कर अपने घर पहुंचे थे। संकट के समय साइकिल ही उनके घर पहुंचने का एकमात्र साधन बनी थी। लॉकडाउन के दौरान लाखों लोगों के घर पहुंचने का सबसे उपयोगी साधन बनने से लोगों को यह बात अच्छी तरह समझ में आ गयी की साइकिल आज भी आम लोगों का सबसे सस्ता व सुलभ साधन है। अब तो विभिन्न प्रकार के फीचर से लैस गियर वाली कीमती साइकिले बाजार में आ गई है। पहले लोगों के पास सामान्य साइकिले ही हुआ करती थी। जिनके पीछे एक कैरियर लगा रहता था। जिस पर व्यक्ति अपना सामान रख लेता था व जरूरत पड़ने पर दूसरे व्यक्ति को बैठा लेता था। कई बार तो साइकिल सवार आगे लगे डंडे पर भी अपने साथी को बिठाकर 3-3 लोग साइकिल पर सवारी करते थे। साइकिल से वातावरण में किसी तरह का प्रदूषण नहीं होता था। पेट्रोल डलवाने का झंझट भी नहीं था। साइकिल उठाई पैडल मारे और पहुंच गए अगले स्थान पर। पहले के जमाने में साइकिल के आगे एक छोटी सी लाइट भी लगी रहती थी। जिसका डायनुमा पीछे के टायर से जुड़ा रहता था। साइकिल सवार जितनी तेजी से साइकिल चलाता उतनी ही अधिक लाइट की रोशनी होती थी। तीन साल पहले विश्व साइकिल दिवस के दिन ही भारत की सबसे बड़ी साइकिल निर्माता कम्पनी एटलस बंद हो गयी थी। प्रतिवर्ष 40 लाख साइकिल का उत्पादन करने वाली भारत की सबसे बड़ी व दुनिया की जानी मानी कम्पनी एटलस के बंद होने से साइकिल उद्योग को बड़ा धक्का लगा है। एटलस की फैक्ट्री बंद होने से वहां काम करने वाले करीबन एक हजार लोग बेरोजगार हो गये। एटलस साइकिल कम्पनी की स्थापना 1951 में हुई थी। इसका कई विदेशी साइकिल निर्माता कंपनियों के साथ गठबंधन था। जिस कारण एटलस कम्पनी की साइकिल दुनिया भर की श्रेष्ठ साइकिलों में शुमार होती थी। अमेरिका के बड़े-बड़े डिपार्टमेंट स्टोर में भी एटलस की साइकिले बेची जाती थी। अब समय आ गया है कि शहर एवं गांवो में साइकिल चालन को एक बड़े स्तर पर प्रोत्साहन देने का। ताकि बढ़ते प्रदूषण को कुछ हद तक रोका जा सके। शहरों में समर्पित साइकिल मार्गों का निर्माण किया जाना चाहिये। हमें विश्व साइकिल दिवस को महज एक सांकेतिक कवायद के रूप में नहीं देखना चाहिये। आज के दिन हमें मन ही मन इस बात का संकल्प लेना चाहिये कि हम हमारे रोजमर्रा के काम साईकिल से पूरा करेगें। तभी सही मायने में साइकिल दिवस मनाना सफल हो पायेगा। बढ़ते प्रदूषण की वजह से दुनिया के बहुत से देशों में साइकिल चलाने को बढ़ावा दिया जा रहा है। नीदरलैंड की राजधानी एम्सटर्डम में सिर्फ साइकिल चलाने की ही अनुमति है। भारत में भी दिल्ली, मुंबई, पुणे, अहमदाबाद और चंडीगढ़ में सुरक्षित साइकिल लेन का निर्माण किया गया है। उत्तर प्रदेश में भी 200 किलोमीटर लम्बा एशिया का सबसे लंबा साइकिल हाई वे बना है। अभी देश में साइकिल चालकों के अनुपात में साइकिल रोड़ विकसित किए जाने की प्रबल आवश्यकता है। पर्यावरण संरक्षण की दृष्टि से देखा जाए तो दुनिया के देशों में साइकिल की वापसी पर्यावरण की दृष्टि से एक शुभ संकेत माना जा सकता है।

(लेखक राजस्थान सरकार से मान्यता प्राप्त स्वतंत्र पत्रकार हैं।)

आर्थिक मोर्चे की दो शानदार खबरों से सशक्त होता भारत

(लेखक- ललित गर्ग)

एक जून को आम चुनाव के सातवें व अंतिम चरण के चुनाव हो रहे हैं, जिसमें 57 सीटों पर मतदान चल रहा है, चुनाव से पहले कन्याकुमारी के विवेकानंद रॉक मेमोरियल में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के ध्यान को लेकर विपक्ष की धमासान राजनीति हो रही है, कांग्रेस मामले को लेकर अदालत भी पहुंच गई है, इस राजनीतिक गर्मा-गर्मी के बीच मतदान से ठीक एक दिन पहले आर्थिक मोर्चे पर दो शानदार खबरें आई है, जो न केवल चौंका रही है, आश्चर्यचकित कर रही है बल्कि अपूर्व खुशी का अहसास करा रही है। भारत भूमि पर भारतीय रिजर्व बैंक के खजाने में 100 टन से कुछ ज्यादा स्वर्ण का शामिल होना सुखद और गौरवान्वित करने वाली खबर है। इसी तरह दूसरी महत्वपूर्ण खबर है पूर्व के सभी अनुमानों को ध्वस्त करते हुए देश की अर्थव्यवस्था ने 8.2 फीसदी की दर से उड़ान भरी है। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) द्वारा शुक्रवार को जारी आंकड़ों के अनुसार अर्थव्यवस्था वित्त वर्ष 2023-24 की जनवरी-मार्च चौथी तिमाही में सालाना आधार पर 7.8 प्रतिशत की दर से बढ़ी है, पहली तिमाही अप्रैल-जून में 7.8 फीसदी, दूसरी तिमाही जुलाई- सितंबर में 7.6 प्रतिशत और तीसरी तिमाही अक्टूबर- दिसंबर में 8.6 फीसदी की दर से बढ़ी थी। इसके साथ ही पूरे वित्त वर्ष में सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर बढ़कर 8.2 प्रतिशत हो गई। जीडीपी की यह रफ्तार दुनिया के सभी विकसित एवं विकासशील देशों में सर्वाधिक है। उल्लेखनीय आर्थिक प्रगति की यह तेज गति सशक्त अर्थव्यवस्था को एवं दुनिया की तीसरी आर्थिक महाताकत बनने के संकल्प को बल देगी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दूसरे कार्यकाल की एक मौलिक सोच एवं दृष्टि से ही भारतीय अर्थव्यवस्था दुनिया में एक चमकते सितारे के रूप में उभरी है, सुदृढ़ आर्थिक विकास के सुनहरे परिदृश्य प्रस्तुत कर रही है एवं मजबूत आर्थिक विकास को दर्शा रही है। जीडीपी की शिखर की ओर बढ़ने की गति भारत के शक्तिशाली बनने का आधार है। विनिर्माण, निर्माण, लोक प्रशासन, रक्षा और अन्य सेवाओं द्वारा प्रोत्साहित, चौथी तिमाही की 7.8 प्रतिशत की वृद्धि दर अर्थशास्त्रियों द्वारा लगाए गए 7.3-7.4 प्रतिशत के उच्चतम अनुमान से कहीं अधिक रही। और 8.2 प्रतिशत की पूर्ण वर्ष की वृद्धि दर आरबीआई द्वारा अनुमानित 7 प्रतिशत और एनएसओ द्वारा 2023-24 के लिए 7.6 प्रतिशत के दूसरे अग्रिम अनुमान से अधिक है। यह आंकड़ा सभी अनुमानों एवं पूर्वानुमानों से ऊपर है। जीडीपी की गति इंफ्रास्ट्रक्चर, मैन्युफैक्चरिंग, डिजिटल और सामाजिक विकास की दृष्टि से देश को आत्मनिर्भर बनाने की रफ्तार को भी गति देगी। यह आर्थिक विकास देश को न केवल विकसित देशों में बल्कि इसकी अर्थव्यवस्था को विश्व स्तर पर तीसरे स्थान दिलाने के संकल्प को बल देने में सहायक बनेगा। यह जीडीपी इसलिए विशेष रूप से उल्लेखनीय है क्योंकि मोदी सरकार ने देश के आर्थिक भविष्य को सुधारने पर ध्यान दिया, न कि लोकलुभावन योजनाओं के जरिये प्रशंसा पाने अथवा कोई राजनीतिक लाभ उठाने की कोशिश की है। राजनीतिक हितों से ज्यादा देशहित को सामने रखने की यह पहल अनूठी है, प्रेरक है। अमृत काल यानी 2047 तक भारत की अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाने का विजन निश्चित ही हम हासिल करेंगे। ध्यान देने की बात है कि आजादी के बाद की अधिकतम शासन करने वाली सरकारों ने आर्थिक संकट ही खड़े किये थे। साल 1991 में जब भारत पर आर्थिक संकट आया था, तब शायद भारतीय अर्थव्यवस्था से दुनिया के ज्यादातर देशों को विश्वास कुछ डिग गया था। मजबूरी में देश को अपना सोना विदेश भेजना पड़ा था। तब कर्ज का जाल भारी हो गया था, लेकिन आज भारत की अर्थव्यवस्था बेहतर प्रदर्शन कर रही है और कर्ज चुकाना अब समस्या नहीं है। ऐसे में, इतने बड़े पैमाने पर विदेश से सोना लाने की प्रशंसा ही की जा सकती है। मार्च के अंत तक रिजर्व बैंक के पास 822.1 टन सोना था, जिसमें से 413.8 टन विदेश में था। वास्तव में, अपना सोना किसी अन्य देश में रखने को बहुत अच्छा नहीं माना जाता है। रिजर्व बैंक शायद संदेश देना चाहता है कि भारत अब शक्तिशाली है और वह अपने सोने की हिफाजत खुद कर सकता है। आज अर्थव्यवस्था के मोर्चे पर हम ब्रिटेन से आगे निकल गए हैं, तो हमें अपनी नीतियों में गरिमा के अनुरूप परिवर्तन करना ही चाहिए। वैसे, भारत की स्थिति अचानक नहीं सुधरी है। एक खास बात यह भी है कि भारत चालू वित्त वर्ष में ऐसे चंद देशों में शुमार है, जिन्होंने सोना खरीदा है। भारतीय रिजर्व बैंक ने कुछ ही महीनों में 27.5 टन सोना खरीदकर अपने स्वर्ण भंडार में जमा किया है। स्वर्ण भंडार के मामले में भारत 822.1 टन के साथ दुनिया में नौवें स्थान पर है और अमेरिका के पास सर्वाधिक 8,133 टन से ज्यादा सोना है। जर्मनी के पास 3,352 टन सोना है। उसके बाद इटली, फ्रांस, रूस, चीन (2,262 टन), स्विट्जरलैंड और जापान का स्थान है। समय के साथ सोने का भाव बढ़ता ही रहा है, बीस साल पहले जो सोना 6,307 रुपये प्रति दस ग्राम का था, वही सोना आज 73,390 रुपये प्रति 10 ग्राम का हो गया है। जाहिर है, सोने की मांग नहीं घटने वाली, पर ज्यादा से ज्यादा भारतीयों को अपनी बुद्धि, कौशल और श्रम से सोना खरीदने में सक्षम होना पड़ेगा, तभी देश के स्वर्ण भंडार की खनक-चमक बढ़ेगी। कई उच्च आवृत्ति संकेतक जैसे जीएसटी संग्रह, बिजली खपत, माल ढुलाई आंकड़े आदि संकेत देते हैं कि वैश्विक चुनौतियों के बावजूद भारतीय अर्थव्यवस्था लचीली और उत्साही बनी हुई है। मोदी यदि तीसरे कार्यकाल के लिये प्रधानमंत्री चुने जाते हैं तो भारत की आर्थिक विकास गति जारी रहेगी। जीडीपी एवं आर्थिक गति मूडीज, फिच, एसएंडपी, नोमुरा, रिजर्व बैंक, आईएमएफ आदि दिग्गज वित्तीय संस्थानों के अनुमानों को ठुकराते हुए नई छलांगे लगायेगी। प्रधानमंत्री ने देश में आतंकवादी वारदातें कम होने, भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाने, सरकार के ईमानदारी और पारदर्शिता से काम करने का उल्लेख करते हुए कहा कि उनकी सरकार ने गरीबों के कल्याण के लिए ज्यादा से ज्यादा धन खर्च किया है और 13.5 करोड़ लोगों को गरीबी रेखा से बाहर निकाला है। निश्चित ही भारत से गरीबी दूर हो रही है। उन्होंने देशवासियों को इस बात का अहसास कराया कि जब देश आर्थिक रूप से मजबूत होता है तो तिजोरी ही नहीं भरती बल्कि देश का सामर्थ्य भी बढ़ता है। उन्होंने देशवासियों से परिवारवाद, भ्रष्टाचार और तुष्टिकरण के खिलाफ लड़ने का आह्वान भी किया क्योंकि ये गरीब, पिछड़े, आदिवासियों और दलितों का हक छीनते हैं। यह उल्लेखनीय एवं संतोष का विषय है कि भारतीय अर्थव्यवस्था दुनिया में सबसे तेज गति से बढ़ती अर्थव्यवस्था है। 'इंडियन इकॉनमी- अ रिव्यू' में यह उम्मीद जताई गई है कि भारत 2027 तक 5 ट्रिलियन डॉलर और 2030 तक 7 ट्रिलियन डॉलर की इकॉनमी बन जाएगा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी लगातार इस बात की गारंटी दे रहे हैं कि भारत दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में शामिल हो जाएगा। भारत फिलहाल दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है।

विचार मंथन

एग्जिट पोल गलत साबित हुए तो भारतीय शेयर बाजार में आएगी भारी गिरावट

(लेखक- सनत जैन)

- गोदी मीडिया बनाम सोशल मीडिया में मुकाबला

1 जून को लोकसभा चुनाव के सातों चरण का मतदान पूर्ण हो चुका है। इसके बाद जो एग्जिट पोल आए हैं, उनमें एनडीए गठबंधन और भाजपा को पूर्ण बहुमत दिखाया गया है। नेशनल मीडिया चैनल द्वारा जारी एग्जिट पोल में, भारी बहुमत से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तीसरी बार सरकार बनती हुई दिख रही है। इन दिनों भारत में अधिकांश नेशनल न्यूज़ चैनल्स को गोदी मीडिया कहा जाता है। जो सरकार के इशारे पर, सरकार के लिए काम करता है। 2024 के लोकसभा चुनाव में यह एक अविश्वसनीय मीडिया के रूप में आम मतदाताओं के बीच में पहचाना गया है। जिस तरह से 2014 और 2019 का चुनाव व्हाट्सएप के जरिए सोशल मीडिया पर लड़ा गया था। इसका पूरा फायदा भारतीय जनता पार्टी को हुआ था। इस बार व्हाट्सएप और सोशल मीडिया जिसमें यूट्यूबर शामिल है। वह आम जनता के बीच में काफी लोकप्रिय साबित हुए हैं। नेशनल टीवी चैनल द्वारा जो नहीं दिखाया और बताया गया, उसकी कमी इस बार व्हाट्सएप और सोशल मीडिया के कई प्लेटफार्म्स ने पूरी करते हुए आम जनता तक अपनी अच्छी खासी पहुंच बनाई है। लाखों लोग गांव-गांव में रोजाना सोशल मीडिया मे यूट्यूब और व्हाट्सएप के माध्यम से सारी जानकारी प्राप्त कर रहे थे। महंगाई और बेरोजगारी की लड़ाई, सोशल मीडिया में जिस तरह से लड़ी गई है, इसका असर चुनाव प्रचार के दौरान देखने को मिला है। विपक्षी दल इंडिया गठबंधन की रेलियों और जनसभाओं में भारी भीड़ सभी राज्यों में उमड़ी है। मतदान का प्रतिशत घटा है। धार्मिक ध्रुवीकरण का मुद्दा मतदाताओं के बीच में नहीं देखा गया। राम मंदिर का मुद्दा भी इस बार कोई काम नहीं आया। उल्टे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जिस तरह से कांग्रेस के घोषणा पत्र का पोस्टमार्टम उससे उन्होंने कांग्रेस के घोषणा पत्र को जन-जन तक पहुंचाने का काम कर दिया। जिसका असर आम मतदाताओं में इंडिया गठबंधन के पक्ष में देखने को मिला है। इस बार सोशल मीडिया, इंडिया गठबंधन की सरकार बना रही है। सोशल मीडिया में निष्पक्ष और वरिष्ठ पत्रकार हैं। वह इंडिया गठबंधन की सरकार को बनता हुआ दिखा रहे हैं। ज्योतिषियों के अनुसार भी भारतीय जनता पार्टी की ग्रह दशा सबसे खराब है। इंडिया गठबंधन और कांग्रेस की ग्रह दशा सबसे अच्छी ज्योतिषी बता रहे हैं। नेशनल मीडिया ने जो एग्जिट पोल दिखाया है, ठीक उसके विपरीत सोशल मीडिया का एग्जिट पोल है। जिसके कारण मतदाता और निवेशक भ्रम की स्थिति में है। शेयर बाजार के विदेशी निवेशक वेट एंड वॉच की मुद्रा में है। अभी तक वह 40000 करोड रुपए से ज्यादा की निकासी कर चुके हैं। 4 तारीख को मतगणना के दिन भारतीय जनता पार्टी की सरकार तीसरी बार केंद्र में बनती हुई दिखी, तो निश्चित रूप से शेयर बाजार में सुपर बुल की स्थिति देखने को मिलेगी। शेयर बाजार 75000 के ऊपर कारोबार करता हुआ दिखेगा। 4 जून को यदि इंडिया गठबंधन को सरकार बनने लायक बहुमत मिला, तो डॉलर के मुकाबले भारतीय करेंसी 85 रूपये के स्तर को छू सकती है। शेयर बाजार की भाषा में यदि यह स्थिति बनी, तो बाजार में भारी गिरावट होना तय माना जा रहा है। म्युचुअल फंड के निवेशकों को नुकसान होना तय माना जा रहा है। शेयर बाजार के 10 फीसदी से ज्यादा गिरने की आशंका व्यक्त की जाने लगी है। शेयर बाजार के मंदड़ियों का मानना है, कि बाजार 73000 के अंक से घटकर 60000 के स्तर पर आ जाता है, तो इस पर किसी को आश्चर्य नहीं होगा। चुनाव के हर चरण के मतदान के पहले और बाद में शेयर बाजार में तेजी-मंदी का दौर बना रहा। विदेशी निवेशकों में भी भय बना हुआ है। 4 जून को क्या होगा इसको लेकर सभी लोगों के बीच में उत्सुकता बनी हुई है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

एयर इंडिया की दिल्ली-वैंकूवर उड़ान 22 घंटे देरी से रवाना हुई

मुंबई । विमानर कंपनी एयर इंडिया की वैंकूवर को एक जून को जाने वाली उड़ान शनिवार सुबह 5.30 बजे के बजाय रविवार सुबह लगभग 22 घंटे की देरी के बाद 3.15 बजे रवाना हुई। बताया जा रहा है कि तकनीकी समस्या के कारण एयरलाइन की उड़ान को पुनर्निर्धारित करना पड़ा। एयर इंडिया के प्रवक्ता ने बयान में कहा कि एआई 185 की उड़ान में तकनीकी मसले के कारण और बाद में चालक दल के अनिवार्य उड़ान ड्यूटी समयसीमा के तहत आने के कारण देरी हुई। पिछले एक सप्ताह में यह कम से कम तीसरी मौका था जब एयर इंडिया की लंबी दूरी की उड़ानों को किसी न किसी कारण से अत्यधिक देरी का सामना करना पड़ा। इससे पहले एयरलाइन की दिल्ली-सैन फ्रांसिस्को उड़ान जिसे गुरुवार को लगभग 3:30 बजे प्रस्थान करने था, अगले दिन 9:55 बजे रवाना हुई थी। इसमें लगभग 30 घंटे का विलंब हुआ था। उड़ान में देरी के कारण यात्रियों को हुई परेशानी के बावजूद टाटा समूह के स्वामित्व वाली एयरलाइन ने कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया था। हालांकि शनिवार को एयरलाइन ने इसको लेकर खेद जताया और बोइंग 777 विमान की एयर कंडीशनिंग प्रणाली के काम न करने सहित कई कारकों के कारण सैन फ्रांसिस्को उड़ान के भारी विलंब के लिए प्रत्येक यात्री को 350 अमेरिकी डॉलर का यात्रा वाउचर देने की पेशकश की।

ओएनजीसी ने मानसून के दौरान हेलिकॉप्टर उड़ानें घटाईं

नई दिल्ली । देश की प्रमुख तेल एवं गैस उत्पादक कंपनी ऑयल एंड नेचुरल गैस कॉरपोरेशन (ओएनजीसी) ने मानसून के दौरान किसी भी घातक दुर्घटना से बचाव के लिए पूर्वी और पश्चिमी दोनों तटों पर समुद्र के बीच में अपने प्रतिष्ठानों के लिए हेलिकॉप्टर की उड़ानें तीन महीने के लिए कम कर दी हैं। सूत्रों ने यह जानकारी दी है। ओएनजीसी ने समुद्र तल से तेल और गैस का उत्पादन करने में मदद करने वाले अपतटीय प्लेटफॉर्म पर अपने कर्मचारियों के काम से संबंधित रहने की अवधि 14 दिन से बढ़ाकर 21 दिन कर दी है। हालांकि यह अब भी 28 दिन के अंतरराष्ट्रीय मानक से कम है। मामले की जानकारी रखने वालों बताया कि यह अस्थायी उपाय केवल जून से अगस्त तक तीन माह के लिए है और इसे प्रतिष्ठानों तक लोगों और सामग्री को पहुंचाने के लिए हेलिकॉप्टर उड़ानों की संख्या में कमी करने के उद्देश्य से लागू किया गया है। ओएनजीसी से ई-मेल के जरिये यह जानने का प्रयास किया गया कि वह 21 दिन के चक्र का पालन क्यों कर रही है जबकि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर 28 दिन के चक्र का अनुपालन किया जाता है। कंपनी की ओर से इसका जवाब नहीं मिला है।

चालू वित्त वर्ष में सन फार्मा को ऊंची एक अंकीय वृद्धि की उम्मीद

नई दिल्ली । फार्मा क्षेत्र की प्रमुख कंपनी सन फार्मास्युटिकल को चालू वित्त वर्ष 2024-25 में अपने राजस्व में ऊंची एक अंकीय वृद्धि की उम्मीद है। मुंबई की इस कंपनी का वित्त वर्ष 2023-24 में कुल एकीकृत परिचालन राजस्व 48,497 करोड़ रुपये रहा है। इससे पिछले वित्त वर्ष में यह आंकड़ा 43,886 करोड़ रुपये था। कंपनी के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने कहा कि चालू वित्त वर्ष में सन फार्मा अपने कारोबार क्षेत्रों में निवेश के चरण में रहेगी। इसमें अमेरिका में उत्पाद उतारने की लागत शामिल है, लेकिन यह यहीं तक सीमित नहीं है, क्योंकि हमारे वैश्विक स्पेशियल्टी कारोबार का विस्तार जारी रहने की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि साल के दौरान शोध एवं विकास पर बिक्री का आठ से 10 प्रतिशत निवेश किया जाएगा। एक अलग सवाल के जवाब में सांघवी ने कहा कि हमें भविष्य के लिए निवेश जारी रखना होगा और हमारा प्रयास यह होगा कि जब हम भविष्य के लिए निवेश कर रहे हैं, तो हम इसे लाभप्रदता की कीमत पर न करें। वर्ष 2024 की एक रिपोर्ट के अनुसार, सन फार्मा 1,970 अरब रुपये से अधिक के भारतीय फार्मास्युटिकल बाजार में 8.5 प्रतिशत बाजार हिस्सेदारी के साथ पहले स्थान पर है। 31 मार्च, 2024 को समाप्त वित्त वर्ष में कंपनी ने 9,576 करोड़ रुपये का लाभ कमाया है। यह इससे पिछले वित्त वर्ष में 8,474 करोड़ रुपये रहा था।

चुनाव नतीजों का सोना-चांदी के भाव पर पड़ेगा असर

नई दिल्ली ।

लोकसभा चुनाव सातवें चरण के लिए मतदान 1 जून 2024 को हुआ। चुनाव आयोग मतगणना प्रक्रिया के बाद 4 जून को लोकसभा चुनाव परिणाम 2024 की घोषणा करेगा। विश्लेषकों का मानना है कि लोकसभा चुनाव 2024 के नतीजे सीधे तौर पर सोने की कीमतों को प्रभावित कर सकते हैं। गौरतलब है कि 2019 में जब नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में बीजेपी सरकार सत्ता में लौटी तो सोने की कीमतें बढ़कर 35,000 रुपये प्रति 10 ग्राम तक पहुंच गईं। 2019 के लिए मिड-ईयर आउटलुक रिपोर्ट में वर्ल्ड ग्लोबल काउंसिल के विशेषज्ञों ने कहा कि कमजोर आर्थिक विकास से अल्पावधि में सोने की उपभोक्ता मांग कम हो सकती है। लेकिन भारत और चीन में संरचनात्मक आर्थिक सुधारों से दीर्घकालिक मांग को समर्थन मिलेगा। 2019 के चुनावों के बाद सोने की कीमतों में उछाल आया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूसरे कार्यकाल के बाद 2020 में सोने की कीमतें 48,651 रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गईं। 2021 में कोरोना महामारी के दौरान भी सोने की कीमतें इस स्तर पर स्थिर बनी रहीं। 2022 में सोने की कीमतें फिर से

बढ़कर 52,000 रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गईं। 2023 तक भाव 64,490 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गए। 2024 के चुनाव नतीजों से दो दिन पहले तक सोने की कीमतें 74,355 रुपये प्रति 10 ग्राम पर थीं। 2019 के चुनावों के संदर्भ में भारत ने 17वीं लोकसभा के सदस्यों का चयन करने के लिए 11 अप्रैल से 19 मई, 2019 तक आम चुनाव आयोजित किए। मतों की गिनती के बाद 23 मई को चुनाव परिणाम घोषित किए गए थे। नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली भारतीय जनता पार्टी ने 303 सीटें हासिल की थीं। जबकि कांग्रेस को सिर्फ 52 सीटों से संतुष्ट होना पड़ा था।

यूनियन बैंक ने एफडी पर ब्याज दर में बदलाव किया

नई दिल्ली । यूनियन बैंक ऑफ इंडिया ने अपने करोड़ों ग्राहकों को एक बड़ा तोहफा दिया है। यूनियन बैंक ने 2 करोड़ रुपये से कम की एफडी पर ब्याज की दरों को रिवाइज कर दिया है। अब ग्राहकों को 2 करोड़ रुपये से कम की एफडी पर पहले से ज्यादा ब्याज ऑफर किया जा रहा है। यूनियन बैंक ऑफ इंडिया ने एफडी पर नई ब्याज दरें 1 जून से लागू कर दी हैं। यूनियन बैंक ऑफ इंडिया की ऑफिशियल वेबसाइट पर दी गई जानकारी के मुताबिक, 7-45 दिन की एफडी पर ब्याज की नई दर 3.50 प्रतिशत हो गई है। यूनियन बैंक के ग्राहक 399 दिन की एफडी करवाते हैं तो उन्हें 7.25 प्रतिशत की दर से ब्याज ऑफर किया जाएगा। एफडी पर नई ब्याज दर को लेकर ज्यादा जानकारी के लिए बैंक की ऑफिशियल वेबसाइट पर भी विजिट कर सकते हैं।

देश के कई राज्यों में पेट्रोल-डीजल की कीमतों में बदलाव हुआ

- ब्रेंट क्रूड 81 डॉलर प्रति बैरल

नई दिल्ली । वैश्विक बाजारों में कच्चे तेल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं देखा जा रहा है। रविवार सुबह करीब 6 बजे डब्ल्यूटीआई क्रूड 76.99 डॉलर प्रति बैरल पर बिक रहा है। वहीं ब्रेंट क्रूड 81.11 डॉलर प्रति बैरल पर ट्रेड कर रहा है। देश में तेल मार्केटिंग कंपनियों ने पेट्रोल-डीजल के ताजा भाव जारी कर दिए हैं। महाराष्ट्र में पेट्रोल 32 पैसे और डीजल 30 पैसे महंगा हो गया है। राजस्थान में पेट्रोल 84 पैसे और डीजल 76 पैसे सस्ता हो गया है। इसके अलावा हिमाचल प्रदेश में भी पेट्रोल-डीजल के दाम में गिरावट है। दूसरी ओर हरियाणा में पेट्रोल-डीजल 21 पैसे महंगा हो गया है। उत्तर प्रदेश और पंजाब में भी पेट्रोल-डीजल के दाम में तेजी दिख रही है। दिल्ली में पेट्रोल 94.72 रुपये और डीजल 87.62 रुपये प्रति लीटर, मुंबई में पेट्रोल 104.21 रुपये और डीजल 92.15 रुपये प्रति लीटर, कोलकाता में पेट्रोल 103.94 रुपये और डीजल 90.76 रुपये प्रति लीटर, चेन्नई में पेट्रोल 100.75 रुपये और डीजल 92.34 रुपये प्रति लीटर है। नोएडा में पेट्रोल 94.72 रुपये और डीजल 87.83 रुपये प्रति लीटर हो गया है। गाजियाबाद में 94.65 रुपये और डीजल 87.75 रुपये प्रति लीटर हो गया है। लखनऊ में पेट्रोल 94.56 रुपये और डीजल 87.66 रुपये प्रति लीटर हो गया है। पटना में पेट्रोल 105.18 रुपये और डीजल 92.04 रुपये प्रति लीटर हो गया है। पोर्टब्लेयर में पेट्रोल 84.10 रुपये और डीजल 79.74 रुपये प्रति लीटर हो गया है।

लोकसभा चुनाव परिणाम, ब्याज दर से तय होगी शेयर बाजार की दिशा

- चुनाव नतीजों के बाद विदेशी निवेशकों के रुख पर सभी की नजर रहेगी

नई दिल्ली ।

इस सप्ताह शेयर बाजार की दिशा आम चुनावों के नतीजों तथा ब्याज दर को लेकर भारतीय रिजर्व बैंक के निर्णय से तय होगी। विश्लेषकों ने यह राय जताई है। हालांकि, माना जा रहा है कि एग्जिट पोल में भाजपा की अगुवाई वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) को बड़ी जीत मिलने की उम्मीद और सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर के मजबूत आंकड़ों से सोमवार को शेयर बाजारों में तेजी देखने को मिल सकती है। एग्जिट पोल में शनिवार को भविष्यवाणी की गई है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी लगातार तीसरी बार सत्ता बरकरार रखेंगे। मतगणना चार जून को होगी। बाजार विशेषज्ञों ने कहा कि अब सभी की निगाहें सबसे महत्वपूर्ण घटनाक्रम मंगलवार को आने वाले लोकसभा चुनाव के नतीजों पर हैं। इससे पहले, बाजार भागीदार एग्जिट पोल पर प्रतिक्रिया देंगे। उन्होंने कहा कि बाजार इसे सावधानी के साथ देख रहा है, और एग्जिट पोल के बाद बाजार में उछाल आ सकता है। हालांकि, नतीजे इसके विपरीत आने पर बाजार में कुछ घबराहट देखने को मिल सकती है। उन्होंने कहा कि चुनाव नतीजों के अलावा बाजार के लिए एक अन्य महत्वपूर्ण घटनाक्रम भारतीय रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की बैठक है। एमपीसी की बैठक के नतीजे सात जून को आएंगे। मीणा ने कहा कि चुनाव नतीजों के बाद विदेशी निवेशकों के रुख पर सभी की नजर रहेगी। वैश्विक मोर्चे पर अमेरिका और चीन के वृहद आर्थिक आंकड़े महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। विनिर्माण और सेवा पीएमआई के मई के आंकड़े भी इसी सप्ताह आने हैं। बाजार विशेषज्ञों ने कहा एग्जिट पोल के नतीजे जो लगभग 360 सीटों के साथ राजग को स्पष्ट बढ़त दे रहे हैं, उनसे सोमवार को बाजार में जोरदार तेजी देखने को मिल सकती है। उन्होंने कहा कि शुक्रवार को बाजार बंद होने के बाद वित्त वर्ष 2023-24 के लिए सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर के आंकड़े उम्मीद से बेहतर 8.2 प्रतिशत रहे हैं। इससे भी

बाजार को रफ्तार मिलने की उम्मीद है। एग्जिट पोल के साथ-साथ बाजार सोमवार को जीडीपी आंकड़ों पर भी प्रतिक्रिया देगा। एक रिपोर्ट में कहा गया है कि यदि अंतिम नतीजे भी एग्जिट पोल की तरह रहे, बाजार से अनिश्चितता दूर हो जाएगी। बीते सप्ताह बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 1,449 अंक टूटा। वहीं नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के निफ्टी में 426.4 अंक की गिरावट आई। सेंसेक्स 27 मई को 76,009.68 अंक के सर्वकालिक उच्चस्तर पर पहुंचा था। उसी दिन नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 23,110.80 अंक के अपने सर्वकालिक उच्चस्तर पर गया था।

बिजली की खपत मई में 15 प्रतिशत बढ़कर 156.31 अरब यूनिट पहुंची

- मई, 2023 में बिजली की खपत 136.50 अरब यूनिट थी

नई दिल्ली ।

देश में बिजली की खपत मई में लगभग 15 प्रतिशत बढ़कर 156.31 अरब यूनिट (बीयू) हो गई है। इसका एक प्रमुख कारण देश के विभिन्न हिस्सों में पड़ रही भीषण गर्मी है जिसकी वजह से ठंडक देने वाले एयर कंडीशनर और कूलर जैसे उपकरणों का इस्तेमाल बढ़ा है।

सरकारी आंकड़ों से यह जानकारी मिली है। मई, 2023 में बिजली की खपत 136.50 अरब यूनिट थी। मई, 2024 में एक दिन में अधिकतम आपूर्ति भी बढ़कर 250.07 गीगावाट के सर्वकालिक उच्चस्तर पर पहुंच गई, जो एक साल पहले इसी महीने में 221.42 गीगावाट थी।

इससे पिछली अधिकतम आपूर्ति 243.27 गीगावाट थी, जो सितंबर, 2023 में दर्ज की गई थी। पिछले महीने बिजली मंत्रालय ने मई के लिए दिन के समय 235 गीगावाट और शाम के समय 225 गीगावाट और जून, 2024 के लिए दिन के दौरान 240 गीगावाट और शाम के समय 235 गीगावाट बिजली की अधिकतम मांग का अनुमान लगाया था। मंत्रालय ने यह भी अनुमान लगाया है कि इन गर्मियों में बिजली की अधिकतम मांग 260 गीगावाट तक पहुंच सकती है।

विशेषज्ञों का कहना है कि बिजली की खपत में वृद्धि के साथ-साथ मांग में बढ़ोतरी की मुख्य रूप से मई में पारा चढ़ने के कारण हुई है। उन्होंने कहा कि इस गर्मी के दौरान बिजली की मांग और खपत स्थिर बनी रहेगी। आंकड़ों से पता चलता है कि शनिवार एक जून को अधिकतम आपूर्ति 245.41 गीगावाट थी। पूरे जून, 2023 में अधिकतम बिजली की मांग 224.10 गीगावाट दर्ज की गई थी। विशेषज्ञों ने कहा कि जून के पहले दिन के आंकड़े से स्पष्ट संकेत मिलता है कि पूरे महीने बिजली की मांग मजबूत बनी रहेगी।

जून महीने में लगातार 3 दिन के लिए बाजार बंद रहेगा

नई दिल्ली । केंद्र सरकार चुनने के लिए लोकसभा चुनाव 7 चरणों में पूरे हुए। जिस भी राज्य में चुनाव हुए वहां उस दिन के लिए अवकाश की घोषणा की गई। महाराष्ट्र में भी ऐसा ही हुआ। जब मुंबई में मतदान था तो उस दिन शेयर बाजार वहां बंद रहा। ऐसे में कई लोगों के मन में सवाल उठ रहा है कि क्या चुनाव के नतीजे वाले दिन 4 जून को भी बाजार बंद रहेगा? बता दें कि शनिवार और रविवार को शेयर बाजार बंद होता ही है। इसके अलावा किसी सार्वजनिक अवकाश के दिन भी शेयर बाजार की छुट्टी होती है। शनिवार व रविवार को जहां इक्विटी, इक्विटी डेरिवेटिव और एसएलबी सेगमेंट में ट्रेडिंग नहीं होती। वहीं सार्वजनिक अवकाश वाले दिन कैपिटल मार्केट और एफएंडओ में भी काम बंद हो जाता है। जून महीने में एक बार लगातार 3 दिन के लिए बाजार बंद रहेगा। 15 व 16 जून को साप्ताहिक अवकाश और 17 जून को बकरीद के अवसर पर बाजार बंद रहेंगे। इसके अलावा जून में केवल साप्ताहिक अवकाश की ही छुट्टिया हैं। बकरीद के अलावा जून में शेयर बाजार की कोई अतिरिक्त छुट्टी नहीं है। 1, 2, 8, 9, 15, 16, 22 और 23 जून को शनिवार व रविवार है। साप्ताहिक अवकाश के तहत बाजार इस दिन बंद रहेगा। चुनाव के नतीजे मौजूदा सत्ताधारी पार्टी बीजेपी के पक्ष में आते दिख रहे हैं। इसे बाजार के जानकार शेयर बाजार के लिए एक अच्छे संकेत की तरह देख रहे हैं।

वर्ष 2023-24 में भारत को सिंगापुर से मिला सबसे ज्यादा एफडीआई

- देश में विदेशी निवेश के प्रवाह में 3.5 प्रतिशत की गिरावट आई

नई दिल्ली ।

भारत को बीते वित्त वर्ष 2023-24 में सिंगापुर से सबसे अधिक प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) प्राप्त हुआ है। हालांकि वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं के बीच देश में विदेशी निवेश के प्रवाह में 3.5 प्रतिशत की गिरावट आई है। सरकारी आंकड़ों से यह जानकारी मिली है। हालांकि, 2023-24 में सिंगापुर से एफडीआई प्रवाह 31.55 प्रतिशत घटकर 11.77 अरब डॉलर पर आ गया है, लेकिन आंकड़ों से पता चलता है कि भारत ने सिंगापुर से सबसे अधिक निवेश आकर्षित किया है। पिछले वित्त वर्ष के दौरान मॉरीशस, सिंगापुर, अमेरिका, ब्रिटेन, संयुक्त अरब अमीरात (यूएई), केमैन आइलैंड, जर्मनी और साइप्रस सहित प्रमुख देशों से एफडीआई इक्विटी प्रवाह में कमी आई। हालांकि, नीदरलैंड और जापान से निवेश बढ़ा है। वित्त वर्ष 2018-19 से सिंगापुर, भारत के लिए ऐसे निवेश का सबसे बड़ा स्रोत रहा था। 2017-18 में भारत ने मॉरीशस से सबसे ज्यादा एफडीआई आकर्षित किया था। विशेषज्ञों के अनुसार भारत-मॉरीशस कर संधि में संशोधन के बाद सिंगापुर, भारत में निवेश के लिए पसंदीदा क्षेत्र के रूप में उभरा है। एक अर्थशास्त्री ने कहा कि दुनिया के प्रमुख वित्तीय केंद्रों में से एक के रूप में सिंगापुर उन वैश्विक निवेशकों को आकर्षित करता है जो एशिया में निवेश करना चाहते हैं। उन्होंने यह भी उम्मीद जताई कि 2024-25 के उत्तरार्ध में भारत में एफडीआई में तेजी आएगी। उन्होंने कहा कि सिंगापुर और मॉरीशस ऐसे क्षेत्र हैं जिनका उपयोग वैश्विक निवेशक भारत जैसी विकासशील अर्थव्यवस्थाओं में अपना पैसा लगाने के लिए करते हैं।

बीते सप्ताह सोयाबीन तिलहन, मूंगफली तेल-तिलहन गिरावट पर बंद

- सरसों दाने का थोक भाव 6,060-6,110 प्रति क्विंटल पर बंद

नई दिल्ली ।

बीते सप्ताह देश के तेल-तिलहन बाजारों में सोयाबीन तिलहन तथा ऊंचे भाव पर कारोबार प्रभावित होने के कारण मूंगफली तेल-तिलहन कीमतें गिरावट के साथ बंद हुई। विदेशों में दाम मजबूत होने से सोयाबीन तेल, आवक कमजोर रहने से सरसों तेल-तिलहन, पामोलीन का दाम मजबूत होने के कारण सीपीओ और पामोलीन तेल तथा माल की कमी के बीच बिनौला तेल के दाम मजबूत बंद हुए। बाजार के जानकार सूत्रों ने कहा कि डीओसी के भाव कमजोर होने की वजह से सोयाबीन तिलहन के दाम में गिरावट देखी गई। बीते सप्ताह सरसों दाने का थोक भाव 60 रुपये के सुधार के साथ 6,060-6,110 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। सरसों दादरी तेल का भाव 125 रुपये बढ़कर 11,725 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। सरसों पक्की और कच्ची घानी तेल का भाव क्रमशः 20-20 रुपये की तेजी के साथ क्रमशः 1,900-2,000 रुपये और 1,900-2,015 रुपये टिन (15 किलो) पर बंद हुआ। समीक्षाधीन सप्ताह में सोयाबीन दाने और लूज का भाव क्रमशः 10-10 रुपये की गिरावट के साथ क्रमशः 4,840-4,860 रुपये प्रति क्विंटल और 4,640-4,760 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। इसके उलट, सोयाबीन दिल्ली, सोयाबीन इंदौर और सोयाबीन डीगम तेल का भाव क्रमशः 125 रुपये, 75 रुपये और 110 रुपये के सुधार के साथ क्रमशः 10,400 रुपये और 10,200 रुपये और 8,860 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। मूंगफली तिलहन का दाम 75 रुपये की गिरावट के साथ 6,125-6,400 रुपये क्विंटल पर बंद हुआ। मूंगफली गुजरात और मूंगफली साल्वेंट रिफाइंड तेल के भाव भी क्रमशः 200 रुपये और 25 रुपये की गिरावट के साथ क्रमशः 14,650 रुपये क्विंटल और 2,220-2,520 रुपये प्रति टिन पर बंद हुए। समीक्षाधीन सप्ताह में कच्चा पाम तेल (सीपीओ) 100 रुपये की तेजी के साथ 8,800 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। पामोलीन दिल्ली का भाव 150 रुपये की तेजी के साथ 10,000 रुपये प्रति क्विंटल तथा पामोलीन एक्स कांडला तेल का भाव 125 रुपये की तेजी के साथ 9,025 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।

एफपीआई ने मई में शेयरों से 25,586 करोड़ निकाले

- जनवरी में 25,743 करोड़ रुपये की निकासी की थी

नई दिल्ली ।

लोक चुनाव के नतीजों को लेकर अनिश्चितता और चीन के बाजारों के बेहतर प्रदर्शन की वजह से विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने मई में घरेलू शेयरों से 25,586 करोड़ रुपये निकाले हैं। यह मॉरीशस के साथ भारत की कर संधि में बदलाव और अमेरिकी बॉन्ड प्रतिफल में निरंतर वृद्धि की चिंताओं के कारण अप्रैल के 8,700 करोड़ रुपये से अधिक के निकासी के आंकड़े से कहीं अधिक है। डिपॉजिटरी के आंकड़ों के अनुसार इससे पहले एफपीआई ने मार्च में शेयरों में 35,098 करोड़ रुपये और फरवरी में 1,539 करोड़ रुपये का निवेश किया था।

वहीं जनवरी में उन्होंने शेयरों से 25,743 करोड़ रुपये की निकासी की थी। आम चुनाव के नतीजे चार जून को आने हैं। इससे निकट भविष्य में भारतीय बाजार में एफपीआई प्रवाह की दिशा तय होगी। बाजार के जानकारों ने कहा कि मध्यम अवधि में अमेरिकी ब्याज दरें एफपीआई प्रवाह पर अधिक प्रभाव डालेंगी। अपेक्षाकृत ऊंचे मूल्यांकन और विशेष रूप से वित्तीय और आईटी कंपनियों के कमजोर तिमाही नतीजों के साथ राजनीतिक अनिश्चिता की वजह से एफपीआई भारतीय शेयरों से निकासी कर रहे हैं। इसके अलावा चीन के बाजारों के प्रति एफपीआई के आकर्षण की वजह से भी एफपीआई भारतीय शेयरों से पैसा निकाल रहे हैं। उन्होंने कहा कि एफपीआई की बिकवाली का मुख्य कारण चीन के शेयरों का बेहतर प्रदर्शन रहा है। हैंग सेंग सूचकांक मई की पहले पखवाड़े में आठ प्रतिशत चढ़ा है। उन्होंने कहा कि एफपीआई की बिकवाली की एक और वजह अमेरिका में बॉन्ड प्रतिफल का बढ़ना है। जब भी अमेरिका में 10 साल के बॉन्ड पर प्रतिफल 4.5 प्रतिशत से ऊपर जाता है, एफपीआई भारत जैसे उभरते बाजारों में बिकवाली करते हैं और अपना निवेश बॉन्ड में लगाते हैं।

समीक्षाधीन अवधि में एफपीआई ने ऋण या बॉन्ड बाजार में 8,761 करोड़ रुपये डाले हैं। इससे पहले विदेशी निवेशकों ने मार्च में बॉन्ड बाजार में 13,602 करोड़ रुपये, फरवरी में 22,419 करोड़ रुपये और जनवरी में 19,836 करोड़ रुपये का निवेश किया था।कुल मिलाकर 2024 में एफपीआई अबतक शेयरों से 23,364 करोड़ रुपये निकाल चुके हैं। इस दौरान उन्होंने बॉन्ड बाजार में 53,669 करोड़ रुपये डाले हैं।

मई में 14 अरब से ज्यादा बार किया गया डिजिटल भुगतान

मुंबई ।

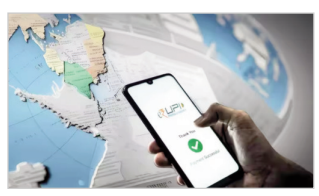

डिजिटल पेमेंट ने भारत को पूरी दुनिया में एक अलग ही पहचान दिलाई है। कई देशों ने पेमेंट का यह सिस्टम अपने यहां भी लागू किया है। नेशनल पेमेंट कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया (एनपीसीआई) ने हाल ही में यूपीआई ट्रांजेक्शन का आंकड़ा जारी किया है। इससे पता चला है कि देश में यूपीआई ट्रांजेक्शन का नया रिकॉर्ड बना है। देश में मई में कुल 20.45 ट्रिलियन रुपये के यूपीआई ट्रांजेक्शन हुए हैं। एनपीसीआई डेटा के अनुसार साल 2023 के समान महीने के मुकाबले मई, 2024 में यूपीआई ट्रांजेक्शन का आंकड़ा वॉल्यूम के हिसाब से 49 फीसदी और वैल्यू के हिसाब से 39 फीसदी बढ़ चुका है। मई के दौरान कुल 14.04 अरब यूपीआई ट्रांजेक्शन हुए हैं। इनमें कुल 20.45 अरब रुपये का लेनदेन हुआ है। अप्रैल, 2024 में 13.30 अरब ट्रांजेक्शन हुए थे। इनमें 19.64 ट्रिलियन रुपये का लेनदेन हुआ था। अप्रैल के मुकाबले मई में वॉल्यूम के हिसाब से 6 फीसदी और वैल्यू के हिसाब से 4 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई है। अप्रैल, 2016 में शुरुआत के बाद सबसे बड़ा आंकड़ा पार किया। देश में यूपीआई की शुरुआत अप्रैल, 2016 में हुई थी। इसके बाद से यह सबसे बड़ा आंकड़ा है। इस दौरान आईएमपीएस ट्रांजेक्शन भी 1.45 फीसदी की तेजी आई और यह 5518 करोड़ ट्रांजेक्शन पर पहुंच गया। आईएमपीएस ट्रांजेक्शन के जरिए 6.06 ट्रिलियन रुपये का लेनदेन हुआ है। यह आंकड़ा अप्रैल के 5.92 ट्रिलियन रुपये के मुकाबले 2136 फीसदी बढ़ा है। मई में फास्टैग ट्रांजेक्शन भी 6 फीसदी बढ़कर 34.7 करोड़ पर पहुंच गए हैं। आधार से होने वाले पेमेंट में जरूर इस दौरान 4 फीसदी की गिरावट आई और यह 9 करोड़ पर पहुंच गया।

टी20 विश्वकप : अभ्यास मैच में भारत ने बांग्लादेश को 61 रन से रौंदा

न्यूयार्क, (एजेंसी)। टी20 विश्वकप के खिताब पर दूसरी बार कब्जे के इरादे से निकले भारतीयों ने शनिवार को अपने एकमात्र अभ्यास मैच में बांग्लादेश को 61 रनों से रौंद दिया।

अभ्यास मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुये भारत ने निर्धारित 20 ओवर में पांच विकेट पर 182 रन बनाये जिसके जवाब में बांग्लादेश की 19.5 ओवर में नौ विकेट पर 121 रन ही बना सकी।

पूरे मैच में भारतीयों के आगे बांग्लादेश किसी भी विभाग में नहीं टिके। ऋषभ पंत ने मात्र 32 गेंदो में चार चौके और चार छक्के की मदद से 53 रन ठोके वहीं आखिरी ओवरों में बल्लेबाजी करने उतरे हार्दिक पांड्या ने 23 गेंदों में दो चौके और चार छक्के की बदौलत 40 रन की नाबाद पारी खेली। शिवम दुबे (14) अपने अंदाज के अनुरुप छाप छोड़ने में

विफल रहे वहीं संजू सैमसन भी अपने हाथ दिखाने में सफल नहीं हुये।

विस्फोटक सूर्य कुमार यादव अपने चिरपरिचित अंदाज से खेले और 18 गेंदों में चार चौको की मदद से 31 रन बनाकर लौटे। रोहित शर्मा ने 23 रन बनाये।

कप्तान रोहित शर्मा ने 20 ओवर के खेल में अपने आठ गेंदबाजों को हाथ खोलने का मौका दिया। अनियमित गेंदबाज शिवम दुबे ने भी दो विकेटों पर हाथ साफ किया वहीं अर्शदीप ने दो महत्वपूर्ण विकेट झटके।जसप्रीत बुमराह,अक्षर पटेल,हार्दिक पांड्या और रविंद्र जडेजा ने एक एक विकेट बांटे। बांग्लादेश की ओर से महमूदउल्लाह (40) और शाकिब उल हसन (28) ही कुछ समय तक भारतीय आक्रमण के सामने टिक सके।

जोकोविच की मुसेट्टी पर संघर्षपूर्ण जीत

पेरिस। विश्व के नंबर एक खिलाड़ी नोवाक जोकोवच ने पांच सेट तक चले संघर्षपूर्ण मुकाबले में जीत दर्ज करके फ्रेंच ओपन टेनिस टूर्नामेंट में खिताब का बचाव करने की अपनी उम्मीदों को जीवंत रखा।जोकोविच ने इटली के 22 वर्षीय खिलाड़ी लोरेंजो मुसेट्टी को तीसरे दौर के मैच में 7-5, 6-7 (6), 2-6, 6-3, 6-0 से हराया। यह मैच चार घंटे 30 मिनट तक चला और रविवार की सुबह तीन बजे तक खेला गया।जोकोविच की ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट में यह 369वीं जीत है और इस तरह से उन्होंने रोजर फेडरर के रिकॉर्ड की बराबरी कर ली है। जोकोविच सोमवार को यह रिकॉर्ड तोड़ सकते हैं, जब उनका सामना अर्जेंटीना के 23वीं वरीयता प्राप्त फ्रांसिस्को सेरुंडोलो से होगा।मुसेट्टी ने जब लगातार दो सेट जीते तो लग रहा था कि जोकोविच के लिए वापसी करना आसान नहीं होगा लेकिन सर्बिया के इस खिलाड़ी ने इसके बाद शानदार खेल दिखाया तथा खुद को रिकॉर्ड 25वें ग्रैंडस्लैम और फ्रेंच ओपन में चौथे खिताब की दौड़ में बनाए रखा।जोकोविच ने मैच के बाद कहा,''मैं वास्तव में बड़ी मुश्किल में था और मुझे कोर्ट पर असहज बनाने का श्रेय लोरेंजो को जाता है। उसने वास्तव में शानदार खेल का प्रदर्शन किया। एक समय वास्तव में मैं समझ नहीं पा रहा था कि क्या करना है।''

रियाल मैड्रिड ने बोरूसिया डॉर्टमंड को 2-0 से हराकर 15वीं बार चैंपियंस लीग का खिताब जीता

लंदन। रियाल मैड्रिड ने बेहतरीन खेल का प्रदर्शन करते हुए शनिवार को यहां बोरूसिया डॉर्टमंड को 2-0 से हराकर रिकॉर्ड 15वीं बार चैंपियंस लीग फुटबाल प्रतियोगिता जीती।वेम्बले स्टेडियम में खेले गए फाइनल में अपनी टीम की जीत के बाद रियाल मैड्रिड के कोच कार्लो एंसेलोटी ने कहा,''हमें इसकी आदत पड़ती जा रही है। हमारा स्वप्निल सफर जारी है।''एंसेलोटी का कोच के रूप में चैंपियंस लीग में यह पांचवा खिताब है। इस तरह से उन्होंने अपने रिकॉर्ड में सुधार किया। ज़िनेदिन ज़िदान, पेप गार्डियोला और बॉब पैस्ले ने कोच के रूप में तीन-तीन बार चैंपियंस लीग जीती है। मैड्रिड का कोच रहते हुए एंसेलोटी ने तीसरी बार चैंपियंस लीग जीती।मैड्रिड को पहले हाफ में संघर्ष करना पड़ा लेकिन इसके बाद उसने मैच में दबदबा बनाए रखा। उसकी तरफ से डैनी कार्वाजल और विनीसियस जूनियर ने गोल दागे।डॉर्टमंड ने पहले हाफ में अच्छा खेल दिखाया। उसने कुछ मौके भी बनाए लेकिन इसका फायदा उठाने में नाकाम रहा।एंसेलोटी ने कहा,''यह बेहद मुश्किल मैच था। हमने जितना सोचा था यह उससे अधिक कड़ा मैच था। पहले हाफ में हम थोड़ा सुस्त थे लेकिन इसके बाद हमने अच्छा खेल दिखाया।कार्वाजल ने 74वें मिनट में मैड्रिड को बढ़त दिलाई और नौ मिनट बाद विनीसियस ने स्पेन की इस दिग्गज टीम की बढ़त को दोगुना कर दिया।कार्वाजल, लुका मोड्रिक, टोनी क्रूस और नाचो ने छठी बार ट्रॉफी जीती और इस तरह से उन्होंने मैड्रिड के स्टार खिलाड़ी रहे पाको गेंटो की बराबरी की।

भारतीय महिला टीम को एफआईएच प्रो लीग में जर्मनी ने 3-1 से हराया

लंदन। भारतीय महिला हॉकी टीम का एफआईएच प्रो लीग में निराशाजनक प्रदर्शन जारी रहा और वह शनिवार को यहां इंग्लैंड चरण के पहले मैच में जर्मनी से 1-3 से हार गयी।एफआईएच प्रो लीग के यूरोपीय चरण में यह भारत की लगातार पांचवीं हार थी, इस महीने की शुरुआत में एंटवर्प में बेल्जियम और अर्जेंटीना ने उसे दो-दो बार हराया था।स्टापेनहॉर्स्ट चार्लोट ने 13वें मिनट में मैदानी गोल करके जर्मनी का खाता खोला था। दीपिका ने 23वें मिनट में बराबरी हासिल कर ली लेकिन जिम्मरमैन सोनजा (24वें) ने एक मिनट बाद पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदलकर जर्मनी को फिर से आगे कर दिया।मध्यांतर के बाद लोरेंज नाइकी ने एक और पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदल कर मैच को भारत की पकड़ से दूर कर दिया।भारत रविवार को ब्रिटेन के खिलाफ खेलेगा।

चैंपियंस लीग खिताब जीतने के बाद फ्लोरेंटिनो पेरेज़ ने कहा, हमें 16वीं ट्रॉफी भी चाहिए

नई दिल्ली। रियल मैड्रिड ने डॉर्टमुंड पर 2-0 की जीत के साथ टीम को रिकॉर्ड 15वीं यूईएफए चैंपियंस लीग ट्रॉफी दिलाई। रियल मैड्रिड अध्यक्ष फ्लोरेंटिनो पेरेज़ ने फ़ाइनल जीतने के बाद दावा किया कि क्लब पहले से ही अगले खिताब पर ध्यान केंद्रित कर रहा है। फ्लोरेंटिनो पेरेज़ ने पत्रकारों से कहा, ﬔमुझे लगता है कि हम पहले से ही अगले खिताब पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। हम 16वां खिताब जीतना चाहते हैं।ﬔरियल मैड्रिड की 15वीं यूरोपीय उपलब्धि तक की यात्रा बेहद रोमांचक रही। मैड्रिड को फाइनल तक पहुंचने के लिए कई चुनौतियों का सामना करना पड़ा, जहां उसे आरबी लीपज़िग, गत विजेता मैनचेस्टर सिटी और एफसी बायर्न म्यूनिख को हराना था।रियल मैड्रिड के लिए पहला गोल डानी कार्वाहाल ने 74वें मिनट में किया। इसके बाद डॉर्टमुंड ने भी अटैक शुरू किया लेकिन इसका उन्हें लाभ नहीं मिला।मैच के 83वें मिनट में विनिसियस जूनियर ने रियल मैड्रिड की बढ़त डबल कर दी। इस तरह रियल मैड्रिड ने 15वीं बार यूईएफए चैंपियंस लीग का खिताब अपने नाम किया।रियल मैड्रिड के अध्यक्ष ने कहा, ﬔविनी जूनियर को बैलन डीओर जीतना चाहिए। इसमें कोई संदेह नहीं है।टोनी क्रूस के लॉस ब्लैंकोस के लिए अपना आखिरी मैच खेलने के बाद, सभी का ध्यान लुका मोड्रिक की ओर है। बताया जा रहा है कि क्रोएशियाई खिलाड़ी ने क्लब के साथ एक साल के विस्तार के लिए समझौता कर लिया है, जिसकी पुष्टि पेरेज़ ने की है। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि लुका मोड्रिक हमारे साथ बने रहेंगे, वह एक और सीजन टीम में शामिल रहेंगे।

बाबर की पाकिस्तानी टीम को भारत के खिलाफ मुकाबले से पहले शांत बने रहने की सलाह

न्यूयॉर्क। पाकिस्तान के कप्तान बाबर आजम ने कहा कि भारत और पाकिस्तान के मैच को लेकर बना माहौल, अपेक्षाओं का बोझ और दबाव खिलाड़ियों को नर्वस बना देता है लेकिन उन्होंने टी20 विश्व कप में रविवार को यहां होने वाले मैच से पहले अपने खिलाड़ियों को शांत बने रहने और अपने 'बेसिक्स' पर कायम रहने की सलाह दी।भारत ने पाकिस्तान के खिलाफ टी20 विश्व कप में अभी तक जो सात मैच खेले हैं उनमें से उसे केवल एक में हार का सामना करना पड़ा है। पाकिस्तान में यह जीत 2021 में हासिल की थी।बाबर ने पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के पॉडकास्ट में कहा, ''हम जानते हैं कि भारत और पाकिस्तान के मैच पर किसी अन्य मैच की तुलना में अधिक चर्चा होती है। इसके लिए पूरी तरह से भिन्न माहौल तैयार किया जाता है तथा केवल खिलाड़ी ही नहीं बल्कि प्रशंसकों में भी इसको लेकर उत्साह बना रहता है।''उन्होंने कहा, ''दुनिया में आप कहीं भी जाओ, आपको भारत और पाकिस्तान के मैच को लेकर चर्चा करते हुए लोग मिल जाएंगे। हर कोई अपने देश का समर्थन करता है। प्रत्येक प्रशंसक इस मैच का बेसब्री से इंतजार करता है और उसका ध्यान इस खास मैच पर लगा रहता है।''बाबर ने कहा, ''निश्चित तौर पर अपेक्षाओं और इस मैच को लेकर बने माहौल के कारण खिलाड़ी थोड़ा नर्वस हो जाते हैं। यह इस पर निर्भर करता है कि आप इससे कैसे निपटते हैं तथा जितना आप बेसिक्स (बुनियादी चीजों) ध्यान लगाएंगे उतना ही एक खिलाड़ी के रूप में आपके लिए चीजें आसान हो जाएंगी।'' उन्होंने कहा, ''यह बेहद दबाव वाला मैच होता है और अगर आप शांत बने रहते हैं तथा अपनी कड़ी मेहनत और कौशल पर विश्वास रखते हैं तो चीजें आसान हो जाएंगी।''पाकिस्तान के कप्तान को 2022 के टी20 विश्व कप में भारत के खिलाफ जीत दर्ज नहीं कर पाने का अब भी मलाल है। उन्होंने कहा, ''मेरा मानना है कि 2022 में हमें भारत के खिलाफ मैच जीतना चाहिए था ।

अमेरिका ने कनाडा को सात विकेट से हराकर शीर्ष स्तर की क्रिकेट में शानदार शुरुआत की

डलास, । आरोन जोन्स की 40 गेंद पर खेली गई नाबाद 94 रन की पारी की मदद से सह मेजबान अमेरिका ने टी20 विश्व कप के उद्घाटन मैच में कनाडा को 14 गेंद शेष रहते हुए सात विकेट से हराकर शीर्ष स्तर की क्रिकेट में धमाकेदार शुरुआत की।

कनाडा ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 5 विकेट पर 194 रन बनाए। अमेरिका ने इसके जवाब में एंड्रीज गौस के 65 रन और जोन्स की तूफानी पारी की मदद से 17.4 ओवर में तीन विकेट पर 197 रन बनाकर जीत दर्ज की। जोन्स ने अपनी पारी में 10 छक्के और चार चौके लगाए।

न्यूयॉर्क में जन्में जोन्स ने जहां आक्रमक बल्लेबाजी करके प्रभावित किया वहीं गौस ने भी बेहतरीन पारी खेली। अमेरिका ने 42 रन तक दो विकेट गंवा दिए थे इसके बाद गौस ने जिम्मेदारी संभाली। उन्होंने अपनी पारी में सात चौके और तीन छक्के लगाए।

जोन्स और गौस ने तीसरे विकेट के लिए 131 रन की साझेदारी की जिससे अमेरिका आसानी से लक्ष्य हासिल करने में सफल रहा।

इससे पहले नवनीत धालीवाल (61) और आरोन जॉनसन (23) ने कनाडा को आक्रामक शुरुआत दिलाई। इसके बाद निकोलस किर्टन ने 31 गेंदों में 51 रन बनाकर उसे चुनौतीपूर्ण स्कोर तक पहुंचाया।मुंबई में जन्मे बाएं हाथ के स्पिनर हरमीत सिंह ने छठे ओवर में जॉनसन को आउट करके टूर्नामेंट का पहला विकेट लिया। उनकी जगह लेने के लिए उतरे परगट सिंह भी केवल पांच रन बनाकर रन आउट हो गए।

धालीवाल को हालांकि किर्टन के रूप में अच्छा साथी मिला। इन दोनों ने तीसरे विकेट के लिए 62 रन जोड़े। न्यूजीलैंड के पूर्व क्रिकेटर कोरी एंडरसन ने धालीवाल को आउट करके यह साझेदारी तोड़ी। धालीवाल ने 44 गेंद की अपनी पारी में छह चौके और तीन छक्के लगाए।

विकेटकीपर श्रेयस मोव्वा ने 16 गेंदों पर 32 रन बनाकर रन गति धीमी नहीं पड़ने दी। उन्होंने अपनी पारी में दो चौके और इतने ही छक्के लगाए।

साहिल ने भाला फेंक में, हर्षिता ने हैमर थ्रो और धनवीर ने गोला फेंक स्पर्धा में जीते स्वर्ण पदक

स्टेंडल। भारतीय एथलीट साहिल सिलवाल ने विंकेलमैन गेम्स 2024 एथलेटिक्स मीट में पुरुषों की भाला फेंक स्पर्धा, हर्षिता सहरावत ने महिला हैमर थ्रो में और धनवीर सिंह ने पुरुषों की गोला फेंक स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीते।

शनिवार को जर्मनी के स्टेंडल में स्टैडियन एम गैलजेनबर्ग में 23 वर्षीय साहिल ने अपने चौथे प्रयास में 75.36 मीटर का सर्वश्रेष्ठ प्रयास करते हुए स्वर्ण पदक अपने नाम किया। हमवतन विक्रांत मलिक ने अपने तीसरे प्रयास में 72.65 मीटर की दूरी के साथ रजत पदक तथा जर्मनी के ओले स्टर्जिक ने 45.85 मीटर थ्रो के साथ कांस्य पदक जीता।

खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स चैंपियन विक्रांत ने अपने तीसरे प्रयास में 70 मीटर का आंकड़ा पार करने से पहले अपने दूसरे प्रयास में 68.91 मीटर थ्रो के साथ बढ़त बनाई।

हालांकि, विक्रांत की बढ़त ज्यादा देर तक कायम नहीं रही क्योंकि साहिल अपने चौथे प्रयास में 75.36 मीटर थ्रो करने में सफल रहे।

विक्रांत ने अपने अंतिम तीन प्रयासों में लगातार 72 मीटर से अधिक का थ्रो दर्ज किया, लेकिन वह अपने हमवतन खिलाड़ी को शीर्ष स्थान से हटाने में सफल नहीं हो सकें। साहिल और विक्रांत ने पिछले महीने स्लोवेनिया में पैट्रिका केवेटाना में मेमोरियल मैटिका सस्टरसिका में भी इसी तरह पहले और दूसरे स्थान पर फिनिश किया था।

इस बीच धनवीर सिंह ने अपने अंतिम प्रयास में 18.62 मीटर थ्रो के साथ पुरुषों की गोला फेंक स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता।

हर्षिता सहरावत ने महिलाओं के हैमर थ्रो में 57.39 मीटर की दूरी के साथ स्वर्ण पदक जीता। उन्होंने अपनी हमवतन तान्या चौधरी को पीछे छोड़ दिया, जिन्हें अपने अंतिम प्रयास में 57.08 मीटर थ्रो के साथ रजत पदक से संतोष करना पड़ा था।

इस जीत के साथ ही हर्षिता ने इस सत्र में चार बार शीर्ष स्थान हासिल किया है, जिसमें पिछले महीने भुवनेश्वर में फेडरेशन कप में भी पहला स्थान शामिल है। इस बीच, तान्या सभी चार प्रतियोगिताओं में हर्षिता के बाद दूसरे स्थान पर रहीं।

अमित पंघाल ने पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालीफाई किया

बैंकॉक। विश्व चैंपियनशिप के रजत पदक विजेता अमित पंघाल ने रविवार को यहां दूसरे विश्व क्वालीफिकेशन मुक्केबाजी टूर्नामेंट के 51 किग्रा भार वर्ग के क्वार्टर फाइनल में चीन के चुआंग लियू को हराकर पेरिस ओलंपिक में अपनी जगह पक्की की। पंघाल ने एक कड़े मुकाबले में लियू को 5-0 से हराकर दूसरी बार ओलंपिक के लिए टिकट कटाया।

नॉर्वे शतरंज : प्रगनानंद ने दर्ज की दूसरी क्लासिकल जीत, वैशाली शीर्ष पर

स्टवान्गर (नॉर्वे)। नॉर्वे शतरंज 2024 में भाई-बहन की जोड़ी आर प्रगनानंद और आर वैशाली ने अपनी जीत के सफर को जारी रखते हुये टूर्नामेंट के राउंड पांच में महत्वपूर्ण अंक अर्जित किए।स्पेयरबैंक 1, एसआर-बैंक में आयोजित टूर्नामेंट में एक दिन के आराम के बाद वैशाली ने नॉर्वे शतरंज महिला टूर्नामेंट में आर्मागेडन टाई-ब्रेकर में जीएम लेई टिंगजी को मात देकर बढ़त बनाए रखी, वहीं प्रगनानंदा ने विश्व नंबर 2 फैबियानो कारूआना को हराकर प्रतियोगिता में अपनी दूसरी क्लासिक जीत दर्ज की।शतरंज के मुख्य कार्यक्रम में, हिकारू नाकामुरा ने विश्व चैंपियन डिंग लिरेन पर जीत के बाद अपनी बढ़त बढ़ा दी। नौ साल में पहली बार, लिरेन को लगातार तीसरी बार शिकस्त दी।

विरोधी पर ध्यान देने के बजाय अपनी क्षमता से खेले भारतीय टीमः युवराज सिंह

न्यूयॉर्क, (एजेंसी)। अपनी आक्रामक बल्लेबाजी के लिए मशहूर रहे युवराज सिंह का मानना है कि भारतीय टीम में कौशल और आत्मविश्वास की कोई कमी नहीं है और अगर वह टी20 विश्व कप में विरोधी टीम पर ध्यान देने के बजाय अपनी क्षमता के साथ खेले तो वह आईसीसी ट्रॉफी जीतने का लंबा इंतजार खत्म कर सकती है।

भारत ने अपना अंतिम आईसीसी टूर्नामेंट 2013 में चैंपियंस ट्रॉफी के रूप में जीता था। इससे दो साल पहले युवराज के शानदार प्रदर्शन से भारत ने वनडे विश्व कप जीता था। भारत ने 2007 में पहला टी20 विश्व कप भी जीता था जिसमें युवराज ने इंग्लैंड के खिलाफ लीग मैच में तेज गेंदबाज स्टुअर्ट ब्रॉड के ओवर में छह छक्के लगाए थे।युवराज से जब भारत के पिछले एक दशक से भी अधिक समय से आईसीसी ट्रॉफी नहीं जीत पाने के बारे में पूछा गया, उन्होंने कहा, ''मेरा मानना है कि बड़े टूर्नामेंट जीतने के लिए हमारे पास आत्मविश्वास है। अगर भारत खुद पर विश्वास रखे और अपनी पूरी क्षमता से खेले तो वह

खिताब जीत सकता है।''टी20 विश्व कप के लिए आईसीसी के एंबेसडर युवराज ने कहा, ''अतीत में हमने इन्हीं चीजों पर गौर करके जीत हासिल की। हमने अपने मजबूत पक्षों पर ध्यान दिया। हमें इस पर ध्यान नहीं देना चाहिए कि विपक्षी टीम हमें कहां नुकसान पहुंचा सकती है। हमें अपने मजबूत पक्षों पर गौर करना होगा। हमारे पास कई मैच विजेता खिलाड़ी हैं।''उन्होंने कहा, ''आईसीसी विश्व कप की तैयारी के लिए आईपीएल सबसे बेहतरीन मंच है और मुझे पूरी आशा है कि यह शानदार टूर्नामेंट होगा।'' युवराज ने कहा, ''अगर भारत जीतता है तो यह हमारे लिए शानदार पल होगा। भारत को आईसीसी ट्रॉफी जीते हुए लंबा समय हो गया है। उम्मीद है कि इस बार हमारी टीम यह इंतजार खत्म कर देगी।'' अमेरिका और वेस्टइंडीज टी20 विश्व कप की संयुक्त मेजबानी कर रहे हैं। युवराज से पूछा गया कि कौन सी टीमें फाइनल में जगह बना सकती हैं, उन्होंने कहा, ''मेरी उम्मीद है कि भारत और संभवत वेस्टइंडीज या पाकिस्तान लेकिन ऑस्ट्रेलिया नहीं।''

कप्तान रोहित शर्मा ने कहा- हमने अब तक बल्लेबाजी इकाई को अंतिम रूप नहीं दिया है

न्यूयॉर्क। कप्तान रोहित शर्मा ने कहा है कि भारतीय टीम ने टी20 विश्व कप के लिए अपने बल्लेबाजी क्रम को अब तक अंतिम रूप नहीं दिया है और बांग्लादेश के खिलाफ अभ्यास मैच में ऋषभ पंत को तीसरे नंबर पर भेजने के टीम प्रबंधन के फैसले को ज्यादा तूल नहीं दी जानी चाहिए। भारत ने शनिवार को अभ्यास मैच में निर्धारित 20 ओवर में पांच विकेट पर 182 रन बनाने के बाद बांग्लादेश को नौ विकेट पर 122 रन पर रोककर नासाउ काउंटी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में 60 रन से जीत हासिल की। जिस तरह से चीजें हुईं, उससे मैं काफी खुश हूंपंत के तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करने के बारे में रोहित ने कहा, ''सिर्फ उसे मौका देने के लिए (ऐसा किया) हमने अब तक अपनी बल्लेबाजी इकाई को अंतिम रूप नहीं दिया है। यहां तक कि गेंदबाजों ने भी अच्छा प्रदर्शन किया।

विराट कोहली को मिला आईसीसी वनडे प्लेयर ऑफ द ईयर 2023 का पुरस्कार

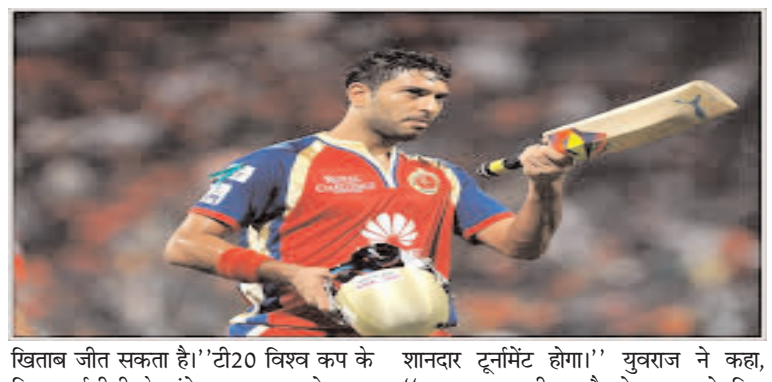

नई दिल्ली, (एजेंसी)। भारतीय बल्लेबाज विराट कोहली को आईसीसी वनडे प्लेयर ऑफ द ईयर 2023 से नवाजा गया है। विराट को न्यूयॉर्क को कैप पहनाई गई। भारतीय टीम टी20 विश्व कप में हिस्सा लेने के लिए अमेरिका में मौजूद है। कोहली इस वैश्विक टूर्नामेंट में भारतीय टीम के अहम खिलाड़ी हैं और टीम को उनसे बेहतरीन पारी की उम्मीद है। कोहली भी टूर्नामेंट में खेलने के लिए न्यूयॉर्क में भारतीय टीम के साथ जुड़ गए हैं।

आईसीसी ने शेयर किया वीडियो

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो शेयर किया जिसमें कोहली की उपलब्धियां दिखाई गई है। वीडियो में दिख रहा है कि कोहली को अवॉर्ड को कैप दिया गया है। कोहली को यह पुरस्कार 2023 में वनडे प्रारूप में उनके शानदार प्रदर्शन के लिए मिला है।

कोहली ने किया था दमदार प्रदर्शन

कोहली ने पिछले साल दमदार प्रदर्शन किया था और 2023 में खेले 27 वनडे मैचों में 1377 रन बनाए थे। इस दौरान उनका औसत 72.47 और

स्ट्राइक रेट 99.13 का रहा था। उन्होंने पिछले साल कुल छह शतक और आठ अर्धशतक जड़े थे, जबकि उनका सर्वाधिक निजी स्कोर नाबाद 166 रन रहा था। कोहली ने पिछले साल एशिया कप में भारत की जीत में अहम योगदान दिया था। उन्होंने पाकिस्तान के खिलाफ सुपर फोर चरण में 94 गेंदों पर नाबाद 122 रनों की पारी खेली थी। इसके बाद वनडे विश्व कप में भी कोहली का बल्ला जमकर बोला था। कोहली ने भारत में खेले गए 2023 वनडे विश्व कप के 11 मैचों में 765 रन बनाए थे जिसमें तीन शतक और छह अर्धशतक शामिल थे।

उनका टूर्नामेंट में सर्वश्रेष्ठ स्कोर 117 रन था। इस प्रदर्शन के दम पर कोहली टूर्नामेंट में सर्वाधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज बने थे और उन्होंने एक विश्व कप में सबसे ज्यादा रन बनाने के मामले में सचिन को पीछे छोड़ दिया था। सचिन ने 2003 विश्व कप में 673 रन बनाए थे। इसके अलावा कोहली ने सचिन तेंदुलकर के वनडे में 49 शतक के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ते हुए इस प्रारूप में अपना 50वां शतक जड़ा था। कोहली ने यह कारनामा न्यूजलैंड के खिलाफ सेमीफाइनल मुकाबले में किया था।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

मंदिरों की नगरी वृन्दावन

मथुरा से 15 कि.मी.की दूरी पर वृन्दावन में भव्य एवं सुन्दर मंदिरों की बड़ी श्रृंखला इसे मंदिरों की नगरी बना देती है। मुख्य बाजार में बांके बिहारी जी का मंदिर सबसे अधिक लोकप्रिय है। यहां दक्षिण भारतीय शैली में निर्मित ''गोविन्द देव मंदिर'' तथा उत्तर शैली में बना ''रंगजी मंदिर'' एवं कृष्ण-बलराम के मंदिर भी दर्शनीय हैं। वृंदा तुलसी को कहा जाता है और यहां तुलसी के पौधे अधिक होने के कारण इस स्थान का नाम वृंदावन रखा गया। मान्यता यह भी है कि वृंदा कृष्ण प्रिय राधा के सोलह नामों में एक है। बृजमण्डल की 84 कोसी परिक्रमा में वृंदावन सबसे महत्वपूर्ण है।

बांके बिहारी जी का मंदिर

बादामी रंग के पत्थरों एवं रजत स्तम्भों पर बना कारीगरी पूर्ण बांके बिहारी जी के मंदिर का निर्माण संगीत सम्राट तानसेन के गुरु स्वामी हरिदास ने करवाया था। जहां फूलों एवं बैंडबाजे के साथ प्रतिदिन आरती की जाती है जिसका दृश्य दर्शनीय होता है। मंदिर में दर्शन वैष्णव परम्परानुसार पर्दे में होते हैं। मंदिर भक्तगणों के दर्शन के लिए प्रात : 9 से 12 बजे तक एवं सायं 6 से 9 बजे तक मंदिर खुला रहता है।

निधीवन

यह एक ऐसा वन है जहां के पेड़ पूरे वर्ष हरे-भरे रहते हैं। यहां तानसेन के गुरु संत हरिदास ने अपने भजन से राधा-कृष्ण के युग्म रूप को साक्षात प्रकट किया था। यहां कृष्ण और राधा विहार करने आते थे। यहीं पर स्वामी जी की समाधि भी बनी है। जनश्रुति है कि मंदिर कक्ष में कृष्ण-राधा की शैय्या लगा दी जाती है तथा राधा जी का श्रृंगार सामान रख कर बन्द कर दिया जाता है। जब प्रात : देखते हैं तो सारा सामान अस्त-व्यस्त मिलता है। मान्यता है कि रात्रि में राधा-कृष्ण आकर इस सामान का उपयोग करते हैं।

श्री शाह मंदिर

निधीवन के समीप करीब 150 वर्ष प्राचीन श्री शाह का मंदिर बना है। सात टेढ़े-मेढ़े खम्भों पर बने इस मंदिर का निर्माण शाह बिहारी ने करवाया था। संगमरमर एवं रंगीन पत्थरों की शिल्प कला देखते ही बनती है। परिसर में कलात्मक फव्वारे भी लगाये गये हैं। मंदिर के फर्श पर पांवों के निशान एवं इन पर बनी कलाकृतियां सुन्दर प्रतीत होती हैं। शिखर एवं दीवारों पर आकर्षक मूर्तियां बनाई गई हैं।

श्री रंगनाथ मंदिर

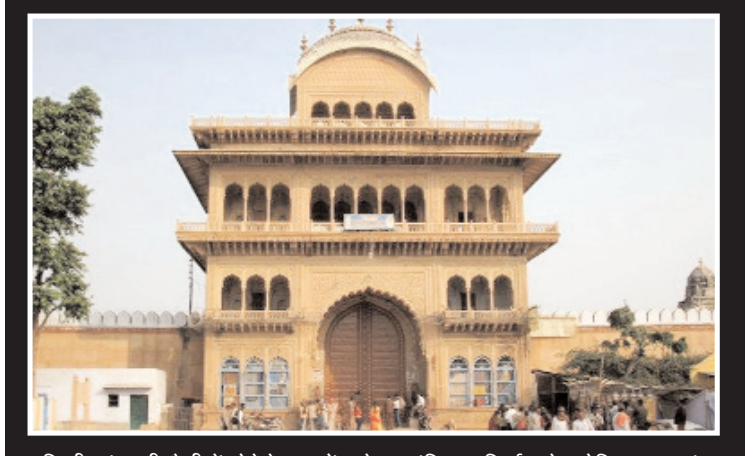

दक्षिणी एवं उत्तरी शैली में सोने के खम्भों वाले इस मंदिर का निर्माण सेठ गोविन्द दास एवं राधा कृष्ण ने 1828 ई.में करवाया था। मंदिर का प्रवेश द्वार राजस्थानी शैली में निर्मित है। सात परकोटों वाला यह मंदिर एक किलोमीटर क्षेत्र में फैला हुआ है। मंदिर प्रांगण में 500 किलोग्राम सोने से बना 60 फीट ऊँचा सोने का गरूड़ स्तम्भ है। प्रवेश द्वार पर भी सोने के 19 कलश बनाये गये हैं। अद्वितीय वास्तुकला से सुसज्जित मंदिर का मुख्य आकर्षण है श्रीरंगनाथ जी। चाँदी व सोने का सिंहासन, पालकी एवं चंदन का विशाल रथ दर्शनीय है। मंदिर परिसर में एक जलकुण्ड बना है। बताया जाता है कि यहां कृष्ण ने गजेन्द्र हाथी को मगरमच्छ के चंगुल से छुड़वाया था।

वृन्दावन के अन्य मंदिरों में श्री राधा मोहन मंदिर, कालीदह, सेवाकुंज, अहिल्या टीला, ब्रह्म कुण्ड, श्रृंगारवट, चीर घाट, गोविन्द देव मंदिर, काँच का मंदिर, गोपेश्वर मंदिर एवं सवा मन सालिग्राम मंदिर आदि भी दर्शनीय हैं।

वैकुंठ धाम कहां और कैसा है

वैकुण्ठ का शाब्दिक अर्थ है- जहां कुंठा न हो। कुंठा यानी निष्क्रियता, अकर्मण्यता, निराशा, हताशा, आलस्य और दरिद्रता। इसका मतलब यह हुआ कि वैकुण्ठ धाम ऐसा स्थान है जहां कर्महीनता नहीं है, निष्क्रियता नहीं है। कहते हैं कि मरने के बाद पुण्य कर्म करने वाले लोग स्वर्ग या वैकुंठ जाते हैं। हालांकि वेद यह नहीं कहते हैं कि मरने वे बाद लोग स्वर्ग या वैकुंठ जाते हैं। वेदों में मरने के बाद की गतियों के बारे में उल्लेख मिलता है और मोक्ष क्या होता है इस पर ही ज्यादा चर्चा है। खैर, हम आपको पुराणों की धारणा अनुसार बताना चाहेंगे कि वैकुंठ धाम कहां है और वह कैसा है।

वैकुंठ धाम कहां है ?

हिन्दू धर्म के अनुसार कैलाश पर महादेव, ब्रह्मलोक में ब्रह्मदेव बसते हैं। उसी तरह भगवान विष्णु का निवास वैकुंठ में बताया गया है। वैकुंठ लोक की स्थिति तीन जगह बताई गई है। धरती पर, समुद्र में और स्वर्ग के ऊपर। वैकुंठ को विष्णुलोक और वैकुंठ सागर भी कहते हैं। भगवान श्रीकृष्ण के बाद इसे गोलोक भी कहने लगे। चूंकि श्रीकृष्ण और विष्णु एक ही हैं इसीलिए श्रीकृष्ण के निवास स्थान को भी वैकुंठ कहा जाता है।

पहला वैकुंठ धाम

धरती पर बद्रीनाथ, जगन्नाथ और द्वारिकापुरी को भी वैकुंठ धाम कहा जाता है। चारों धामों में सर्वश्रेष्ठ हिन्दुओं का सबसे पावन तीर्थ बद्रीनाथ, नर और नारायण पर्वत श्रृंखलाओं से घिरा, अलकनंदा नदी के बाएं तट पर नीलकंठ पर्वत श्रृंखला की पृष्ठभूमि पर स्थित है। भारत के उत्तर में स्थित यह मंदिर भगवान विष्णु का दरबार माना जाता है।

बद्रीनाथ धाम में सनातन धर्म के सर्वश्रेष्ठ आराध्य देव श्री बद्रीनारायण भगवान के 5 स्वरूपों की पूजा-अर्चना होती है। विष्णु के इन 5 रूपों को 'पंच बद्री' के नाम से जाना जाता है। श्री विशाल बद्री, श्री योगध्यान बद्री, श्री भविष्य बद्री, श्री वृद्ध बद्री और श्री आदि बद्री। बद्रीनाथ के अलावा द्वारिका और जगन्नाथपुरी को भी वैकुंठ धाम कहा जाता है। कहते हैं कि सतयुग में बद्रीनाथ धाम की स्थापना नारायण ने की थी। त्रेतायुग में रामेश्वरम की स्थापना स्वयं भगवान श्रीराम ने की थी। द्वापर युग में द्वारिकाधाम की स्थापना योगीश्वर श्रीकृष्ण ने की और कलयुग में जगन्नाथ धाम को ही वैकुंठ कहा जाता है। पुराणों में धरती के बैकुंठ के नाम से अंकित जगन्नाथ पुरी का मंदिर समस्त दुनिया में प्रसिद्ध है। ब्रह्म और स्कंद पुराण के अनुसार पुरी में भगवान विष्णु ने पुरुषोत्तम नीलमाधव के रूप में अवतार लिया था।

दूसरा वैकुंठ धाम

दूसरे वैकुंठ की स्थिति धरती के बाहर बताई गई है। इसे ब्रह्मांड से बाहर और तीनों लोकों से ऊपर बताया गया है। यह धाम दिखाई देने वाली प्रकृति से 3 गुना बड़ा है। इसकी देखरेख के लिए भगवान के 96 करोड़ पार्षद तैनात हैं। हमारी प्रकृति से मुक्त होने वाली हर जीवात्मा इसी परमधाम में शंख, चक्र, गदा और पद्म के साथ प्रविष्ट होती है। वहां से वह जीवात्मा फिर कभी भी वापस नहीं होती। यहां श्रीविष्णु अपनी 4 पटरानियों श्रीदेवी, भूदेवी, नीला और महालक्ष्मी के साथ निवास करते हैं।

इसी वैकुंठ के बारे में कहा जाता है कि मरने के बाद विष्णु भक्त पुण्यात्मा यहां पहुंच जाती है। पुराणों के अनुसार इस वैकुंठ की स्थिति हमारे ब्रह्मांड के परे है। जीवात्मा जब उस वैकुंठ की यात्रा करती है, तो उसको विदा देने के लिए मार्ग में समय के देवता, प्रहर के देवता, दिवस के देवता, रात्रि के देवता, दिन के देवता, ग्रहों के देवता, नक्षत्रों के देवता, माह के देवता, मौसम के देवता, पक्ष के देवता, उत्तरायण के देवता, दक्षिणायन के देवता सभी तलों (अतल, सुतर, पाताल आदि) के देवता, सभी 33 कोटि के देवता पहले उसे पुन : किसी योनि में धकेलने का प्रयास करते हैं या वैकुंठ जाने देने से रोकते हैं। लेकिन जो जीवात्मा प्रभु श्रीविष्णु की शरणागति होता है उसको ये सभी एकपाद विभूति के अंतिम सीमा तक जाते हैं और त्रिपाद विभूति के बाहर प्रवाहित होने वाली विरजा नदी के तट पर छोड़ देते हैं।

इसी एकपाद विभूति में हमारा संपूर्ण ब्रह्मांड और सारे लोक अवस्थित हैं। इस एकपाद विभूति की सीमा के बाद शुरू होता है वैकुंठ धाम। पौराणिक मान्यता है कि इसी वैकुंठ धाम और एकपाद विभूति के मध्य विरजा नामक एक नदी बहती है। इस नदी से ही त्रिपाद विभूति शुरू होती है, जो वैकुंठ लोक है। मुक्त होने वाली जीवात्मा को जब सभी देवता विरजा नदी तक छोड़कर जाते हैं तब वह जीवात्मा नदी में डुबकी लगाकर उस पार चली जाती है। उस पार से पार्षदगण उसको सीधे श्रीहरि विष्णु के पास ले जाते हैं। वहां वह उनके दर्शन करके परम आनंद को प्राप्त करता है। इस प्रकार त्रिपाद विभूति में ही वह जीवात्मा सदा के लिए स्थापित हो जाती है। पुराणों में इस वैकुंठ धाम का बड़ा ही रोचक चित्रण किया गया है।

'हे अर्जुन! अव्यक्त 'अक्षर' इस नाम से कहा गया है, उसी अक्षर नामक अव्यक्त भाव को परमगति कहते हैं तथा जिस सनातन अव्यक्त भाव को प्राप्त होकर मनुष्य वापस नहीं आते, वह मेरा परम धाम है।।' - गीता अध्याय 8, श्लोक 21।।

तीसरा वैकुंठ धाम

भगवान श्रीकृष्ण ने द्वारिका के बाद एक ओर नगर बसाया था जिसे वैकुंठ कहा जाता था। कुछ इतिहासकारों के मुताबिक अरावली की पहाड़ी श्रृंखला पर कहीं वैकुंठ धाम बसाया गया था, जहां इंसान नहीं, सिर्फ साधक ही रहते थे। भारत की भौगोलिक संरचना में अरावली प्राचीनतम पर्वत है। भू-शास्त्र के अनुसार भारत का सबसे प्राचीन पर्वत अरावली का पर्वत है। माना जाता है कि यहीं पर श्रीकृष्ण ने वैकुंठ नगरी बसाई थी। राजस्थान में यह पहाड़ नैऋत्य दिशा से चलता हुआ ईशान दिशा में करीब दिल्ली तक पहुंचा है। अरावली या 'अर्वली' उत्तर भारतीय पर्वतमाला है। राजस्थान राज्य के पूर्वोत्तर क्षेत्र से गुजरती 560 किलोमीटर लंबी इस पर्वतमाला की कुछ चट्टानी पहाड़ियां दिल्ली के दक्षिण हिस्से तक चली गई हैं। अगर गुजरात के किनारे अर्बुद या माउंट आबू का पहाड़ उसका एक सिरा है तो दिल्ली के पास की छोटी-छोटी पहाड़ियां धीरज दूसरा सिरा।

वैकुंठ और परमधाम में अंतर

परमधाम- कहते हैं कि परमधाम में जाने के बाद जीवात्मा सदा के लिए जीवन और मरण के चक्र से मुक्त हो जाती है। यह धाम सबसे ऊपर अर्थात सर्वोच्च है। यहां निरंतर अक्षय सुख की अनुभूति होती रहती है। यह धाम स्वयं प्रकाशित है। यहां न सुख है और न दुख, यहां बस परम आंद ही है।

वैकुंठ धाम - मान्यता है कि इस धाम में जीवात्मा कुछ काल के लिए आनंद और सुख को प्राप्त करती है, लेकिन सुख भोगने के बाद उसे पुन : मृत्युलोक में आना होता है। इस स्थान को स्वर्ग से ऊपर बताया गया है। वैकुंठ के ऊपर कैलाश पर्वत है। वैकुंठ को सूर्य और चन्द्र प्रकाशित करते हैं। यहां गौर करें तो यह विष्णु का बद्रीनाथ धाम हो सकता है। हिन्दू धर्म के अनुसार भगवान श्रीविष्णु के धाम को वैकुंठ धाम कहा जाता है। आपने चार धामों के नाम तो सुने ही होंगे- बद्रीनाथ, द्वारिका, जगन्नाथ और रामेश्वरम। इसमें से बद्रीनाथ धाम भगवान विष्णु का धाम है। मान्यता के अनुसार इसे भी वैकुंठ कहा जाता है। यह जगतपालक भगवान विष्णु का वास होकर पुण्य, सुख और शांति का लोक है।

'हे अर्जुन! जिस परम पद को प्राप्त होकर मनुष्य लौटकर संसार में नहीं आते, उस स्वयं प्रकाश परम पद को न सूर्य प्रकाशित कर सकता है, न चन्द्रमा और न अग्नि ही, वही मेरा परम धाम है।।' - गीता अध्याय 15, श्लोक 6।।

'हे अर्जुन! ब्रह्मलोक सहित सभी लोक पुनरावर्ती हैं, परंतु हे कुंतीपुत्र! मुझको प्राप्त होकर पुनर्जन्म नहीं होता, क्योंकि मैं कालातीत हूं और ये सब ब्रह्मादि के लोक काल द्वारा सीमित होने से अनित्य हैं।।' - गीता अध्याय 8, श्लोक 16।।

प्रभु श्रीराम के धनुष कोदंड की खासियत

कोदंड : एक बार समुद्र पार करने का जब कोई मार्ग नहीं समझ में आया तो भगवान श्रीराम ने समुद्र को अपने तीर से सुखाने की सोची और उन्होंने तरकश से अपना तीर निकाला ही था और प्रत्यंचा पर चढ़ाया ही था कि समुद्र के देवता वरुणदेव प्रकट हो गए और उनसे प्रार्थना करने लगे थे। बहुत अनुनय-विनय के बाद राम ने अपना तीर तरकश में रख लिया। भगवान श्रीराम को सर्वश्रेष्ठ धनुर्धर माना जाता है। हालांकि उन्होंने अपने धनुष और बाण का उपयोग बहुत मुश्किल वक्त में ही किया। उनके धनुष बाण को कोदंड कहा जाता था।

देखि राम रिपु दल चलि आवा।
बिहसी कठिन कोदण्ड चढ़ावा।।

अर्थात शत्रुओं की सेना को निकट आते देखकर श्रीरामचंद्रजी ने हंसकर कठिन धनुष कोदंड को चढ़ाया।

बहुत कम लोगों को मालूम होगा कि भगवान राम के धनुष का नाम कोदंड था इसीलिए प्रभु श्रीराम को कोदंड कहा जाता था। कोदंड का अर्थ होता है बांस से निर्मित। कोदंड एक चमत्कारिक धनुष था जिसे हर कोई धारण नहीं कर सकता था। कोदंड नाम से भिलाई में एक राम मंदिर भी है जिसे 'कोदंड रामालयम मंदिर' कहा जाता है। भगवान श्रीराम ने दंडकारण्य में 10 वर्ष से अधिक समय तक भील, वनवासी और आदिवासियों के बीच रहकर उनकी सेवा की थी।

कोदंड की खासियत : कोदंड एक ऐसा धनुष था जिसका छोड़ा गया बाण लक्ष्य को भेदकर ही वापस आता था। एक बार की बात है कि देवराज इन्द्र के पुत्र जयंत ने श्रीराम की शक्ति को चुनौती देने के उद्देश्य से अहंकारवश कौवे का रूप धारण किया और सीताजी को पैर में चोंच मारकर लहू बहाकर भागने लगा। तुलसीदासजी लिखते हैं कि जैसे मंदबुद्धि चींटी समुद्र की थाह पाना चाहती हो उसी प्रकार से उसका अहंकार बढ़ गया था और इस अहंकार के कारण वह-

।।सीता चरण चोंच हतिभागा।
मूढ़ मंद मति कारन कागा।।

।।चला रुधिर रघुनायक जाना।
सीक धनुष सायक संधाना।।

वह मूढ़ मंदबुद्धि जयंत कौवे के रूप में सीताजी के चरणों में चोंच मारकर भाग गया। जब रक्त बह चला तो रघुनाथजी ने जाना और धनुष पर तीर चढ़ाकर संधान किया। अब तो जयंत जान बचाने के लिए भागने लगा। वह अपना असली रूप धरकर पिता इन्द्र के पास गया, पर इन्द्र ने भी उसे श्रीराम का विरोधी जानकर अपने पास नहीं रखा। तब उसके हृदय में निराशा से भय उत्पन्न हो गया और वह भयभीत होकर भागता फिरा, लेकिन किसी ने भी उसको शरण नहीं दी, क्योंकि रामजी के द्रोही को कौन हाथ लगाए? जब नारदजी ने जयंत को भयभीत और व्याकुल देखा तो उन्होंने कहा कि अब तो तुम्हें प्रभु श्रीराम ही बचा सकते हैं। उन्हीं की शरण में जाओ। तब जयंत ने पुकारकर कहा- 'हे शरणागत के हितकारी, मेरी रक्षा कीजिए प्रभु श्रीराम।

'स्पेलिंग बी' में तीसरे स्थान पर रही भारतीय-अमेरिकी छात्रा ने अगले साल चैंपियन बनने की ठानी

वाशिंगटन, (एजेंसी)। 'स्क्रिप्स नेशनल स्पेलिंग' बी में तीसरे स्थान पर रही सातवीं कक्षा की भारतीय-अमेरिकी छात्रा अनन्या प्रसन्ना ने कहा कि वह अगले साल इस प्रतिष्ठित वार्षिक प्रतियोगिता में भाग लेकर चैंपियनशिप ट्रॉफी अपने नाम करने को लेकर दृढ़ प्रतिज्ञ है।

उत्तरी कैरोलिना के एपेक्स की 13 वर्षीय खिलाड़ी ने 'पीटीआई- भाषा' को दिए साक्षात्कार में कहा, 'मेरे लिए हार मानना कोई मायने नहीं रखता जबकि आपके पास हमेशा एक और मौका होता है तो फिर हार क्यों माननी चाहिए? इसलिए मैं अगले साल निश्चित रूप से वापसी करूंगी।'

वाशिंगटन में बृहस्पतिवार को आयोजित 'स्क्रिप्स नेशनल स्पेलिंग बी' में कैरोलिना पैंथर्स का प्रतिनिधित्व करते हुए अनन्या ने प्रतिष्ठित प्रतियोगिता के फाइनल में जगह बनाई और अंततः अपने तीसरे प्रयास में तीसरा स्थान हासिल किया।

इससे पहले वह इस प्रतियोगिता में 2022 में

49वें स्थान पर रही थी, तथा 2023 में 74वें स्थान पर रही।सातवीं कक्षा की छात्रा अनन्या इसे गर्व के साथ देखती है और भविष्य में बुलंदी पर पहुंचने का दृढ़ संकल्प दिखाया।अनन्या ने बताया कि उनकी 'स्पेलिंग बी' की दिशा में यात्रा दूसरी कक्षा से शुरू हुई, जब उन्होंने नॉर्थ साउथ फाउंडेशन द्वारा आयोजित स्पेलिंग बी में भाग लिया था।उसने कहा, 'मैंने सिर्फ सूची का अध्ययन किया और कुछ नहीं, और मुझे दूसरा स्थान मिला।' इस शुरुआती सफलता से उत्साहित होकर उसके माता-पिता ने स्पेलिंग बी में उसकी निरंतर भागीदारी का समर्थन किया।अनन्या के पिता पेशे से सॉफ्टवेयर इंजीनियर हैं जो न केवल उसका यात्रा व्यय संभालते थे, बल्कि शब्द सूची भी तैयार करते थे जिससे उसमें आत्मविश्वास पैदा हुआ।अनन्या ने कहा, ''एक दिन मेरे पिता ने ही मुझसे कहा था कि में फाइनल में स्थान बनाऊंगी और वही हुआ।''अनन्या ने कहा कि उसकी मां का समर्पण भी उतना ही उल्लेखनीय था, क्योंकि वह यह सुनिश्चित करने के लिए दोगुना मेहनत करती थीं कि बेटी के पास सफल होने के लिए जरूरी सब कुछ उपलब्ध हो।फ्लोरिडा के 12 वर्षीय भारतीय-अमेरिकी छात्र ब्रुहत (सातवीं कक्षा के विद्यार्थी) को बृहस्पतिवार को 'स्क्रिप्स नेशनल स्पेलिंग बी' प्रतियोगिता का विजेता घोषित किया गया और 50,000 अमेरिकी डॉलर से अधिक नकद राशि और अन्य पुरस्कार प्रदान किये गये।

साउथ अफ्रीका में तीन दशकों से चला आ रहा एएनसी का प्रभुत्व खत्म, मंडेला की पार्टी बहुमत से चूकी, गठबंधन सरकार के आसार

जोहान्सबर्ग। दक्षिण अफ्रीका के चुनावी इतिहास में बीते तीस वर्षों में पहली बार अफ्रीकन नेशनल कांग्रेस (एएनसी) को संसदीय चुनाव में बहुमत नहीं मिला। बुधवार को हुए चुनाव के लिए करीब 99.8 फीसदी मतों की गणना हो चुकी है और सत्तारूढ़ एएनसी को 40 फीसदी मत मिले हैं, जो बहुमत से कम हैं। मौजूदा राष्ट्रपति सिरिल रामाफोसा के नेतृत्व वाली एएनसी ने 1994 में नेल्सन मंडेला के निर्वाचित होने के बाद पहली बार बहुमत खोया।देश के चुनाव आयोग (आईसीसी) के मुताबिक बुधवार को डाले गए मतपत्रों के 99.8 फीसदी की गणना पूरी हो चुकी है। जिसमें एएनसी को 40 फीसदी वोट मिले हैं। दक्षिण अफ्रीका में रंगभेद से मुक्त कराने वाली पार्टी के साथ पिछले तीस साल में पहली बार ऐसा हो रहा है।साउथ अफ्रीका के चुनाव आयोग ने अभी तक अंतिम परिणाम जारी नहीं किया है, लेकिन बहुमत के लिए 50 फीसदी मतदान के आंकड़े पर एएनसी नहीं पहुंच सकती है। इसकी वजह यह है कि 99 फीसदी मतों की गिनती हो चुकी है। चुनाव आयोग के मुताबिक आज यानी रविवार को तक पूरी तरह से परिणाम घोषित किए जा सकते हैं।अबतक की गणना में डेमोक्रेटिक अलायंस (डीए) को 22 फीसदी और पूर्व राष्ट्रपति जैकब जुमा की पार्टी उम्खोंटो वी सिजवे (एमके) ने करीब 15 फीसदी मत हासिल किए। इकोनॉमिक फ्रीडम फाइटर्स (ईएफएफ) का हिस्सा घटकर 9 फीसदी रह गया। संसदीय चुनाव में 50 से अधिक दलों ने हिस्सा लिया था।इस परिणाम के बाद साउथ अफ्रीका में तीन दशक से एएनसी का चला आ रहा प्रभुत्व समाप्त हो गया है लेकिन संसद में बहुमत हासिल नहीं होने के बावजूद एएनसी सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी है। एएनसी को दोबारा सरकार बनाने और राष्ट्रपति सिरिल रामाफोसा को दोबारा चुनने के लिए गठबंधन का सहारा लेना होगा। राष्ट्रीय चुनाव के बाद साउथ अफ्रीका की संसद राष्ट्रपति का चुनाव करती है।

लंदन के वेम्बली स्टेडियम में 50 से अधिक लोगों को किया गया गिरफ्तार

लंदन। लंदन के वेम्बली स्टेडियम में यूईएफए चैंपियंस लीग फाइनल के दौरान सुरक्षा उपायों का उल्लंघन करने के प्रयास के आरोप में 50 से अधिक लोगों को गिरफ्तार किया गया है। लंदन की मेट्रोपॉलिटन पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी।वेम्बली स्टेडियम में शनिवार को रियल मैड्रिड और बोरूसिया डॉर्टमुंड के बीच चैंपियंस लीग फुटबॉल मैच हुआ, जो पहले टीम के पक्ष में समाप्त हुआ।पुलिस ने एक बयान में कहा, ÷अधिकारियों ने वेम्बली में 53 गिरफ्तारियां की हैं - पांच पिच पर आक्रमण के लिए और अधिकांश अन्य सुरक्षा उल्लंघन के प्रयासों के लिए।पुलिस ने कहा कि स्टेडियम में अवैध रूप से प्रवेश करने के अधिकांश प्रयास कानून प्रवर्तन अधिकारियों और स्टेडियम के कर्मचारियों के काम के कारण ÷असफल÷ रहे।

शेख मिशाल ने नये क्राउन प्रिंस की नियुक्ति की

कुवैत सिटी। कुवैत के अमीर शेख मिशाल अल-अहमद अल-जबर अल-सबा ने शेख सबा अल-खालिद अल-सबा को नया क्राउन प्रिंस नियुक्त करने का फरमान जारी किया है।कुवैत के सरकारी टेलीविजन ने शनिवार को यह जानकारी दी।1953 में कुवैत में जन्मे शेख सबा ने पहले 2019 से 2022 तक देश में प्रधानमंत्री के रूप में कार्य किया।कुवैत विश्वविद्यालय से राजनीति विज्ञान में डिग्री के साथ स्नातक होने के बाद, नए राजकुमार ने एक बार संयुक्त राष्ट्र में कुवैत के स्थायी प्रतिनिधि, सऊदी अरब में राजदूत और विदेश मंत्री के रूप में भी कार्य किया।शेख मिशाल 16 दिसंबर, 2023 को कुवैत के 17वें शासक बने। वह अपने सौतेले भाई शेख नवाफ अल-अहमद अल-जबर अल-सबा के उत्तराधिकारी बने। उनका 86 वर्ष की आयु में निधन हो गया।कुवैत के संविधान के अनुसार श्री मिशाल को एक साल के भीतर एक नए क्राउन प्रिंस का नाम बताना होगा।

3 जून को सौर मंडल धरती से आएगा नजर, 6 ग्रह एक सीधी रेखा में दिखाई देंगे

वॉशिंगटन । अगले सप्ताह आसमान में दुर्लभ चमत्कार देखने को मिल सकता है। 3 जून को सौर मंडल धरती से नजर आएगा और 6 ग्रह एक सीधी रेखा में दिखाई देंगे। आप धरती से इस अद्भुत नजारे को देख पाएंगे। एक रिपोर्ट के मुताबिक, बुध, मंगल, बृहस्पति, शनि, नेपच्यून और यूरेनस इस परेड में शामिल होंगे। ऐसा तभी होता है, जब सारे ग्रह सूर्य के एक ही ओर जमा हो जाते हैं।

आसमान में इस दुर्लभ नजारे को देखने के लिए सोमवार की सुबह आपको दूरबीन लेकर तैयार रहना चाहिए। वारविक विश्वविद्यालय के प्रोफेसर डैनी स्टीघ ने कहा, यह घटना दुनिया भर में दिखाई देगी। सूर्योदय के आसपास यह अद्भुत नजारा देखने को मिलेगा। इसे ठीक से देखने के लिए कुछ उपकरणों की जरूरत होगी। यूरेनस और नेपच्यून धुंधले नजर आएंगे, इसलिए इन ग्रहों को देखने के लिए अच्छी दूरबीन की जरूरत होगी। बृहस्पति और बुध की सूर्य से निकटता के कारण उनकी चमक काफी कम दिखाई देगी। प्रोफेसर डैनी के मुताबिक, कुछ ग्रह नंगी आंखों से दिखाई दे सकते हैं। लेकिन बिखरी हुई रोशनी अभी भी मुश्किलें पैदा कर सकती हैं। मंगल और शनि को देखना ज्यादा आसान होगा। आप उन्हें दूसरे ग्रहों से पहले और आसमान में थोड़ा ऊपर देख सकते हैं। नासा का मोबाइल ऐप आपको यह बताने में मदद कर सकता है कि आपको इसे कब और कहां से देखना है। सभी ग्रह डायग्नल अरेंजमेंट में दिखाई देंगे, जिसमें शनि सबसे ऊपर रहेगा। उसके बाद नेपच्यून, फिर मंगल, यूरेनस और बुध होंगे। बृहस्पति क्षितिज के सबसे करीब दिखाई देगा।

वारविक विश्वविद्यालय के ही डॉ ग्रांट कैनेडी ने कहा, हम सूर्य को दोनों गोलार्धों में देखते हैं और ये ग्रह सूर्य से बहुत अधिक दूर नहीं हैं। इसीलिए साउथ के देशों में रहने वाले लोगों के लिए इस दुर्लभ नजारे को देखने के सबसे ज्यादा मौके होंगे। आप जानकर और खुश होंगे कि यह परेड एक दिन या एक पल के लिए नहीं होगी, बल्कि कई दिनों तक ऐसा नजारा आपको दिखेगा। अगस्त और जनवरी 2025 में भी इन्हें आप देख पाएंगे। इसके बाद अगले साल फरवरी में सात ग्रह एक सीध रेखा में नजर आएंगे। कैनेडी ने कहा, अगले कुछ सालों में ऐसी ही कई घटनाएं होंगी क्योंकि बाहरी ग्रह काफी धीमी गति से चलते हैं और पृथ्वी काफी तेज़ गति से।

दूसरी के चक्कर में अरबपति का टूटा पुराना रिश्ता, पत्नी को तलाक के मामले में देने पडे करोडों रुपए

सोल । दक्षिण कोरिया के एक उद्योगपति शादी के कई साल बाद एक महिला के फेर में ऐसे फंसे कि बीबी बच्चों का भी ध्यान नहीं रहा। पहले दशकों पुराना रिश्ता टूटा और अब पत्नी को अरबों की दौलत देनी पड़ रही है। रिपोर्ट्स के मुताबिक दक्षिण कोरियाई अरबपति चेय ताए-वोन की शादी रोह सो-यंग से हुई थी। तकरीबन 35 साल तक दोनों एक साथ रहे। दोनों के तीन बच्चे भी हैं। लेकिन तकरीबन 10 साल पहले पता चला कि चेय ताए-वोन का एक महिला के साथ एक्स्ट्रा मैरिटल अफेयर चल रहा है। प्रेमिका से उनका एक बच्चा भी है। रोह सो यंग को यह बात परेशान कर गई। उन्होंने तुरंत चेय ताए-वोन से तलाक लेने का फैसला कर लिया। रिश्ता टूट गया और दोनों बीते 10 साल से अलग-अलग रह रहे हैं। तब से तलाक का मामला अदालतों में चल रहा था। एक दिन पहले दक्षिण कोरियाई हाईकोर्ट ने रोह सो-यंग के पक्ष में फैसला सुनाया। कहा, रोह सो-यंग अरबपति चेय ताए-वोन की संपत्ति के एक हिस्से की हकदार हैं। उन्हें 1 बिलियन डॉलर यानी लगभग 8333 करोड़ रुपये दिए जाएं। 2022 में निचली अदालत ने सिर्फ इससे काफी कम रकम देने को कहा था। अदालत ने माना कि सिर्फ चेय ताए-वोन ने ही उनकी कंपनी आगे नहीं बढ़ाई, बल्कि उनकी अकूत दौलत बनाने में रोह सो-यंग का भी बहुत बड़ा हाथ रहा है। इसलिए वो भी कंपनी के शेयरों में 35 फीसदी हिस्से की हकदार हैं। कंपनी के शेयरों को उनकी संयुक्त संपत्ति मानी जाए। यह दौलत इतनी ज्यादा है कि इसे दक्षिण कोरिया का सबसे बड़ा तलाक बताया जा रहा है। रोह सो-यंग दक्षिण कोरिया के पूर्व राष्ट्रपति रोह ताए-वू की बेटी हैं। वहीं, चेय ताए-वोन एसके ग्रुप समूह के मालिक हैं, जिस समूह में कई कंपनियां चल रही हैं।

दक्षिण कोरिया में उत्तर कोरिया के कचरा ढोने वाले 600 से अधिक गुब्बारे गिरे

सोल। उत्तर कोरिया के कचरा ढोने वाले छह सौ से अधिक गुब्बारे लगातार पांच दिनों से जीपीएस सिग्नल जाम होने के बीच दक्षिण कोरिया में गिरे है। सोल की सेना ने रविवार को यह जानकारी दी।

योनहाप समाचार एजेंसी ने बताया कि दक्षिण कोरिया का राष्ट्रपति कार्यालय जवाबी कदम उठाने पर विचार कर रहा है। दक्षिण कोरिया के ज्वाइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ (जेसीएस) ने कहा कि उसने 600 से अधिक गुब्बारों का पता लगाया है जो दोनों कोरिया को अलग करने वाली सैन्य सीमांकन रेखा के पार तैरते हुए शनिवार रात आठ बजे से रविवार सुबह दस बजे के बीच देश के विभिन्न हिस्सों में गिरे थे।

जेसीएस के अनुसार गुब्बारों में पिछले गुब्बारों की तरह ही सिगरेट के टुकड़े, कागज और

प्लास्टिक की थैलियां जैसे कचरे के विभिन्न टुकड़े थे।

दक्षिण कोरिया के कार्यकर्ताओं द्वारा भेजे गए प्योंगयांग विरोधी पर्चों के खिलाफ ÷जैसे को तैसा कार्रवाई÷ की चेतावनी देने के बाद उत्तर कोरिया ने इससे पहले मंगलवार और बुधवार को कचरा और मलमूत्र से भरे लगभग 260 गुब्बारे दक्षिण में भेजे थे। जेसीएस ने लोगों को वस्तुओं को न छूने और नजदीकी सैन्य या पुलिस अधिकारियों को इसकी सूचना देने की सलाह दी। योनहाप रिपोर्ट में कहा गया है कि इसमें गुब्बारों से संभावित खतरे की भी चेतावनी दी गई है।

सोल शहर की सरकार ने रविवार को कहा कि वह ऐसी घटनाओं पर प्रतिक्रिया देने के लिए 24 घंटे एक आपातकालीन केंद्र संचालित करेगी।

भारतीय अमेरिकी ने दिव्यांग लोगों को स्वास्थ्य सुविधाएं सुलभ कराने के लिए अभियान शुरू किया

वाशिंगटन। अमेरिका स्थित एक गैर सरकारी संगठन ने शनिवार को बौद्धिक रूप से दिव्यांग लोगों को स्वास्थ्य सुविधाएं सुलभ कराने के लिए एक पहल की घोषणा की। इस पहल का उद्देश्य पहले साल के दौरान भारत में 10 हजार लोगों की मदद करना है।

एक विज्ञप्ति में बताया गया कि 'हितार्थ' परियोजना के तहत अमेरिका स्थित 'वायस ऑफ स्पेशियली एबल्ड पीपुल' (वीओएसएपी) ने सामाजिक कार्यकर्ताओं को वित्तीय सहायता प्रदान करने के लिए परिवार एनसीपीओ (नेशनल कॉन्फेडरेशन ऑफ पैरेंट्स ऑर्गेनाइजेशंस) के साथ साझेदारी की है।

इसमें कहा गया है कि इस साझेदारी का मकसद बौद्धिक रूप से दिव्यांग व्यक्तियों को जरूरी चिकित्सा, दंत चिकित्सा, आउट पेशेंट विभाग (ओपीडी) सेवा सुलभ कराने में सहायता करना तथा भारत सरकार की 'निरामय' योजना के तहत प्रति वर्ष एक लाख रुपये तक की प्रतिपूर्ति प्राप्त कराना है।

वीओएसएपी के कैलिफोर्निया स्थित संस्थापक प्रणव देसाई ने कहा, ''हम वीओएसएपी प्रभाव को विस्तारित करने के लिए इस नए मॉडल के साथ उपलब्ध अवसरों को लेकर बहुत उत्साहित हैं जो भारत सरकार के मौजूदा कार्यक्रमों और परिवार जैसे हमारे विश्वसनीय और प्रतिष्ठित साझेदारों की ताकत का लाभ उठाता है।''

वीओएसएपी दिव्यांग क्षेत्र का एक अग्रणी गैर सरकारी संगठन है जिसने 2017 से 25,000 से अधिक दिव्यांग व्यक्तियों को सहायक उपकरण, सर्जिकल हस्तक्षेप और छात्रवृत्ति प्रदान करके सक्षम बनाया है।

'निरामय' योजना के तहत बीमा प्रदान किया जाता है जिसके अंतर्गत बौद्धिक रूप से दिव्यांग लोगों के इलाज पर आने वाले एक लाख रुपये तक के खर्च की प्रतिपूर्ति की जाती है।भारत सरकार की एक रिपोर्ट के अनुसार, 2022-23 में 1,87,290 (1.87 लाख) नामांकित लाभार्थियों में से केवल 28,323 दावों का निपटान किया गया। यह आंकड़ा प्रति दावा औसतन 6,405 रुपये का है।

विज्ञप्ति में कहा गया है कि ''पायलट कार्यक्रम का लक्ष्य अपने पहले वर्ष के भीतर बौद्धिक रूप से दिव्यांग 10,000 व्यक्तियों को लाभान्वित करना है और इस संख्या को बढ़ाकर एक लाख लाभार्थियों तक पहुंचने का लक्ष्य है।

हितार्थ परियोजना का प्रयास बौद्धिक रूप से दिव्यांग लोगों की जीवन की गुणवत्ता को जरूरी चिकित्सा के जरिये बढ़ाना है।''

बाज नहीं आ रहे हूती, हिंद महासागर-लाल सागर में छह अभियान चलाने का दावा

काहिरा। इस्त्राइल-हमास संघर्ष के बीच फलस्तीन के समर्थन में यमन के हूतियों ने लाल सागर और हिंद महासागर में छह अभियान चलाए। इस दौरान एक अमेरिकी विमानवाहक पोत, एक युद्धपोत और तीन जहाजों को निशाना बनाया। यह जानकारी ईरान समर्थित समूह के सैन्य प्रवक्ता याह्या सारी ने दी।बाज नहीं आ रहे हूती, लाल सागर में जहाजों को बनाया निशानाईरान गठबंधन हूती संगठन लाल सागर में नवंबर से लगातार ड्रोन हमले कर रहा है। इससे जहाजों को दक्षिणी अफ्रीका की तरफ मुड़ने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है। इस्त्राइल-हमास युद्ध के बढ़ने की आशंका है, इससे मध्य-पूर्व एक बार फिर अस्थिर हो सकता है। इस साल मार्च में हूती संगठन के एक नेता ने कहा था कि वह इस्त्राइल से जुड़े जहाजों को रोकने के लिए वह हमले तेज कर रहा है। सारी ने शनिवार को कहा कि हूती विद्रोहियों ने लाल सागर के उत्तर में स्थित अमेरिकी विमानवाहक पोत आइजनहावर को कई मिसाइलों और ड्रोन से निशाना बनाया।

डब्ल्यूएचओ के सदस्य वैश्विक महामारियों से निपटने के लिए नियम मजबूत करने संबंधी कदमों पर सहमत

जिनेवा। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के सदस्य देशों ने कोविड-19 और एमपॉक्स जैसी वैश्विक महामारियों से निपटने के लिए वैश्विक स्तर पर तैयारी में सुधार करने संबंधी नए कदमों को शनिवार को मंजूरी दी और वृहद संधि पर सहमत होने के लिए नयी समय सीमा तय की। डब्ल्यूएचओ ने यह जानकारी दी।

डब्ल्यूएचओ ने कहा कि देशों ने अंतरराष्ट्रीय स्वास्थ्य नियमों (आईएचआर) में संशोधन करने पर सहमति जताई जैसे कि ''वैश्विक महामारी आपातकाल'' शब्द को परिभाषित करना और विकासशील देशों को वित्तपोषण एवं चिकित्सा उत्पादों तक बेहतर पहुंच प्राप्त करने में मदद करना। इन नियमों में इससे पहले 2005 में बदलाव किया गया था।

यह कदम ऐसे समय उठाया गया है जब संयुक्त राष्ट्र की एजेंसी ने वैश्विक महामारियों से निपटने संबंधी अधिक व्यापक ''संधि'' अपनाने की योजनाएं पर सहमति नहीं बन पाने पर इस साल अपनी छह दिवसीय 'विश्व स्वास्थ्य सभा' को समाप्त कर

दिया था। प्रौद्योगिकी के बेहतर आदान-प्रदान और महामारी फैलाने वाले रोगाणुओं के बारे में असहमति के कारण योजनाओं पर सहमति नहीं बन पाई थी।

डब्ल्यूएचओ ने कहा कि देशों ने महामारी से निपटने संबंधी समझौते पर वार्ता को वर्ष के अंत तक पूरा करने पर सहमति व्यक्त की।डब्ल्यूएचओ के महानिदेशक टेड्रोस एडनोम घेब्रेयेसस ने कहा, ''आईएचआर संशोधनों की सफलता दर्शाती है कि हमारी विभाजित और विभाजनकारी दुनिया में देश अब भी साझा उद्देश्य और साझा आधार खोजने के लिए एक साथ आ सकते हैं।''

डब्ल्यूएचओ ने कहा कि देशों ने वैश्विक महामारी आपात स्थिति को एक संक्रामक रोग के रूप में परिभाषित किया है, जो भौगोलिक आधार पर व्यापक रूप से फैल सकती है या जिसका जोखिम बहुत अधिक है।एजेंसी ने कहा कि इसे ऐसे प्रकोप के रूप में भी परिभाषित किया गया है जो ''उल्लेखनीय'' आर्थिक या सामाजिक व्यवधान पैदा कर सकता है तथा जिसके लिए त्वरित अंतरराष्ट्रीय कार्रवाई की आवश्यकता है।

डब्ल्यूएचओ के कानूनी अधिकारी स्टीवन सोलोमन ने कहा कि स्वास्थ्य नियमों को संशोधित करने का कदम तुरंत प्रभावी नहीं होगा, बल्कि यह टेड्रोस द्वारा निर्णय के बारे में देशों को औपचारिक रूप से सूचित करने के एक साल बाद लागू होगा।

बिहार से सटे भारत-नेपाल सीमा पर एक करोड़ की नकदी के साथ युवक गिरफ्तार

काठमांडू। बिहार से सटे भारत-नेपाल सीमा पर एक करोड़ रुपये की नकदी के साथ एक मुस्लिम युवक की गिरफ्तारी के बाद स्थानीय प्रशासन की नींद उड़ गई है। नेपाल पुलिस आतंकी फंडिंग के ऐंगल से इस मामले जांच कर रही है। नेपाल के सुनसरी सशस्त्र प्रहरी बल के डीएसपी शैलेन्द्र थापा ने रविवार को मीडियाकर्मियों को बताया कि सुनसरी जिले के एक नाका से शनिवार रात को एक कार से इरसाद अंसारी नामक युवक को एक करोड़ एक लाख रुपये की नकदी के साथ गिरफ्तार किया गया। सुनसरी के हरिनगर से बिहार के सुपौल जिले की तरफ जा रहे कार को जांच के लिए रोका गया तो उसमें से दो झोले में भरे हुए नोट मिले। दोनों झोले नेपाली 1000 के नोटों की गड्डी से भरे हुए थे। प्रारम्भिक जांच में इरसाद ने यह रकम हवाला का होने की बात कही है। उसने बिहार के सुपौल जिले का वह पता भी बताया जहां यह नकदी पहुंचाई जानी था।

जर्मनी में बाढ़ के बीच 600 लोगों को निकाला

फ्रैंकफर्ट। दक्षिणी जर्मनी में भारी बारिश के कारण आई विनाशकारी बाढ़ के कारण 600 से अधिक लोगों को उनके घरों से निकालना पड़ा है। स्थानीय मीडिया ने यह जानकारी दी है। उन्होंने बताया कि कई दिनों से हो रही लगातार बारिश के कारण डोनौ, नेकर और गुएन्ज़ सहित कई नदियों में जल स्तर बढ़ गया है, जिससे तटीय शहरों और कस्बों में बड़े पैमाने पर बाढ़ आ गई है। कई क्षेत्रों में जल स्तर एक सदी में अपने उच्चतम स्तर पर पहुंच गया है। स्थानीय प्राधिकारी ने कहा कि रविवार को स्थानीय समयानुसार दोपहर दो बजे तक बवेरिया के 10 जिलों ने आपातकाल की स्थिति घोषित कर दी है। न्यूबर्ग-श्रोबेनहौसेन जिले के 670 से अधिक निवासियों को निकाला गया है। उन्होंने बताया कि जर्मनी के दो दक्षिणी राज्य बवेरिया और बाडेन-वुर्टेमबर्ग सबसे अधिक प्रभावित हैं।

चीनी अंतरिक्ष यान चंद्रमा के सुदूर हिस्से में उतरा, मिट्टी-चट्टान के नमूने लेगा

बीजिंग, (एजेंसी)। चीन का एक अंतरिक्ष यान मिट्टी और चट्टान के नमूने एकत्रित करने के लिए रविवार को चंद्रमा के एक सुदूर हिस्से में उतरा।ये नमूने चंद्रमा के कम खोजे गए क्षेत्र और अच्छी तरह ज्ञात इसके निकटतम भाग के बीच अंतर के बारे में जानकारियां उपलब्ध करा सकते हैं।चंद्रमा का निकटतम भाग चंद्र गोलार्ध है जो हमेशा सुदूर भाग के विपरीत यानी पृथ्वी की ओर होता है।चीन के राष्ट्रीय अंतरिक्ष प्रशासन के अनुसार, लैंडिंग मॉड्यूल दक्षिणी ध्रुव-एटकेन बेसिन नामक एक विशाल गड्ढे में बीजिंग के स्थानीय समयानुसार सुबह छह बजकर 23 मिनट पर उतरा।

यह चांग'ए चंद्रमा अन्वेषण कार्यक्रम के तहत छठा मिशन है, जिसका नाम चीनी चंद्रमा देवी के नाम पर रखा गया है। इसे चांद पर एकत्र किये गये नमूनों को पृथ्वी पर लाने के लिए बनाया गया है। इससे पहले 2020 में चांग'ए 5 ने भी चंद्रमा के निकटतम भाग से नमूने एकत्रित किए थे।

यह कार्यक्रम अमेरिका और जापान तथा भारत समेत अन्य देशों के साथ बढ़ती प्रतिद्वंद्विता के बीच

शुरू किया गया है। चीन ने अंतरिक्ष में अपना खुद का अंतरिक्ष स्टेशन स्थापित किया है और वह वहां नियमित रूप से चालक दल के सदस्यों को भेजता रहता है।चीन का उद्देश्य 2030 से पहले चंद्रमा पर एक मनुष्य को भेजना है जिससे वह अमेरिका के बाद ऐसा करने वाला दूसरा देश बन जाएगा। अमेरिका 50 साल से अधिक समय बाद पहली बार चंद्रमा पर फिर से अंतरिक्ष यात्रियों को भेजने की योजना बना रहा है।चीन के मौजूदा मिशन में लैंडर को करीब दो दिन तक दो किलोग्राम सतह और भूमिगत सामग्री एकत्र करने के लिए एक मशीन और एक ड्रिल का इस्तेमाल करना है।इसके बाद लैंडर के ऊपर लगा एक आरोहक इन नमूनों को एक धातु वैक्यूम कंटेनर में दूसरे मॉड्यूल तक ले जाएगा जो चंद्रमा की परिक्रमा कर रहा है।

इस कंटेनर को फिर एक कैप्सूल में स्थानांतरित किया जाएगा जिसे करीब 25 जून को चीन के मंगोलिया क्षेत्र के मरुस्थल में पृथ्वी पर वापस आना है।चंद्रमा के सुदूर क्षेत्र तक मिशन भेजना ज्यादा मुश्किल है क्योंकि यह पृथ्वी के सामने नहीं होता जिसके कारण संचार बनाए रखने के लिए रिले उपग्रह की आवश्यकता होती है। साथ ही यह हिस्सा अधिक उबड़-खाबड़ है जहां लैंडर के उतरने के लिए बहुत ही कम समतल भूमि है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

एग्जिट पोल के नतीजे सही साबित हुए तो विपक्ष की होगी बड़ी हार

कई दल और कई सारे वादे पर पीएम मोदी की गारंटी रही भारी

नई दिल्ली।

लोकसभा चुनाव खत्म हो चुके हैं और एग्जिट पोल के नतीजे भी आ गए हैं। अगर एग्जिट पोल के नतीजे सही साबित हुए तो विपक्षी दल खासकर कांग्रेस के लिए मुश्किल घड़ी होगी। जैसा एग्जिट पोल के नतीजे बता रहे हैं यह विपक्ष के लिए बड़ी हार हो सकती है। कांग्रेस समेत दूसरे दलों की ओर से चुनाव में तमाम बड़े वादे किए गए थे लेकिन लगता है कि जनता को उनके वादों पर भरोसा नहीं हुआ। वहीं दूसरी ओर पीएम मोदी जिनकी बातों पर जनता को अब भी भरोसा है। पीएम ने जो गारंटी की बात कही उस पर भी विश्वास है। एग्जिट पोल से तो साफ है कि विपक्ष एक बार फिर पीएम मोदी को समझ नहीं पाया। चुनाव में टकाटक, फटाफट और चुनाव खत्म होने से कुछ दिन पहले बिहार की धरती से सफाचट की बात कही गई। अब यह उल्टा पड़ता दिख रहा है। एक ओर एनडीए गठबंधन जिसकी अगुवाई पीएम मोदी कर रहे हैं तो वहीं दूसरी ओर विपक्ष जिसकी अगुवाई कौन कर रहा किसी को पता नहीं। एनडीए की ओर से सिर्फ मोदी की गारंटी थी तो वहीं विपक्ष की ओर से कांग्रेस, सपा, आरजेडी, आम आदमी पार्टी, डीएमके के अपने-अपने वादे। कई दल और कई सारे वादे। इन दलों की ओर से कहा जा रहा था कि बहुमत मिला तो हम अपने वादे पूरे कराने के लिए दबाव डालेंगे। सभी दलों ने अपने-अपने राज्यों और मतदाताओं के हिसाब से वादे किए। वहीं दूसरी ओर सिर्फ मोदी की गारंटी थी। अब एग्जिट पोल के हिसाब से मोदी की गारंटी विपक्ष पर भारी पड़ रही है। एग्जिट पोल के नतीजे 4 जून को सही निकले तो फिर विपक्ष चाहें जो दलील दे लेकिन एक बात तय है कि जनता किसी किंतु परंतु के मूड में शुरू से नहीं है। विपक्ष भले ही जनता और मोदी को भांपने में चूक कर रहा था, लेकिन जनता का मन एकदम साफ था। लगातार तीसरी बार बहुमत के साथ सत्ता में लौटना कोई आसान काम नहीं। पीएम मोदी ऐसा करते हुए दिख रहे हैं। विपक्षी दलों ने मिलकर इंडिया गठबंधन तो बना लिया लेकिन जनता को उस पर भरोसा नहीं हो रहा था। जो साथ आ भी रहे थे वह शर्तों के साथ। ऐसे में लगता है कि जनता को नियम और शर्तें लागू वाली बात पसंद नहीं आई। इसलिए जनता ने अपना मत बनाकर वोट किया है।

झारखंड में पहली बार नक्सली मुक्त हुए लोकसभा चुनाव, कहीं 20 तो कहीं 30 साल बाद वोटिंग

रांची ।

हाल फिलहाल चाईबासा का टोंटो इलाका भी माओवादियों के प्रभाव में है। टोंटो में सभी प्रमुख माओवादी अभी कैंप कर रहे हैं, लेकिन नक्सलियों के प्रभाव से मुक्ति की राह देख रहे ग्रामीणों ने यहां भी 20 सालों के बाद मतदान किया। टोंटो प्रखंड के रेंगडाहातू में 20 सालों बाद ग्रामीणों ने मतदान किया।

वहीं, पहले चरण में खूंटी के पीएलएफआई व माओवाद प्रभावित इलाकों में भी उत्साहजनक वोटिंग हुई थी, पत्थलगड़ी प्रभावित खूंटकटी गांवों में भी 2019 में जहां वोट का बहिष्कार हुआ था, वहां लोगों ने जम कर वोट डाले। दूसरे चरण में भी चतरा के टीपीसी प्रभावित इलाकों में मतदान का प्रतिशत ठीक-ठाक रहा था। संताल के दुमका का शिकारीपाड़ा का इलाका माओवादियों के लिहाज से चुनौतीपूर्ण होता था, लेकिन यहां भी अब माओवाद की कोई आहट नहीं रही। राज्य पुलिस के आंकड़ों पर गौर करें तो साल 2014 के चुनाव में सर्वाधिक नक्सल हिंसक वारदातें हुई थीं। 24 अप्रैल 2014 को दुमका से चुनाव कार्य संपन्न करा कर लौट रहे चुनावकर्मियों पर नक्सलियों ने हमला कर दिया था। पांच पुलिसकर्मी समेत आठ लोग मारे गए थे। चुनाव हिंसा की ये सबसे बड़ी वारदात थी। साल 2014 में कुल 13 नक्सल कांड राज्यभर में हुए थे। इस साल चुनाव में चार विस्फोट, पांच पुलिस मुठभेड़, एक पुलिस आक्रमण, 2 मिसचीफ, एक मारपीट की घटना हुई थी। साल 2014 के विधानसभा चुनाव में 10 नक्सल वारदातें हुई थीं।

चार पुलिस मुठभेड़, एक पुलिस आक्रमण, पांच आगजनी की वारदातें हुई थीं। साल 2019 के लोकसभा चुनाव में माओवादियों ने पलामू और खरसावां में भाजपा के कार्यालय को उड़ा दिया था। जबकि विस चुनाव में चंदवा में तीन पुलिसकर्मियों पर हमला कर मौत के घाट उतार दिया गया था।बता दें कि झारखंड में 14 लोकसभा सीटों के लिए शांतिपूर्ण तरीके से चार चरणों के चुनाव संपन्न हो गए। घोर नक्सल प्रभाव वाले इलाकों में भी जहां वोट बहिष्कार की गूंज के बीच लोकतंत्र की स्याही सूखी रह जाती थी, जहां बंदूकों के साये में लोकतंत्र सिसकता था, नक्सल उन्मूलन के बाद वहां लोकतंत्र गुलजार हुआ।

भीषण गर्मी और तेज हवाओं ने फिर भड़काई जंगल की आग

-शनिवार तक पूरे उत्तराखंड में वनाग्नि की 57 घटनाएं हुईं

देहरादून।

भीषण गर्मी के बीच एक बार फिर उत्तराखंड के जंगल धधकने लगे हैं। शनिवार सुबह तक प्रदेशभर में वनाग्नि की 57 घटनाएं दर्ज की। वन विभाग के मुताबिक कई जगह आग ने विकराल रुप ले लिया, जिसे बुझाने के प्रयास किए जा रहे हैं।

वनाग्नि कंट्रोल रूम के आंकड़ों के अनुसार, प्रदेशभर में शनिवार सुबह तक वनाग्नि के 57 अलर्ट आ चुके थे। उत्तरकाशी वन प्रभाग में सबसे ज्यादा 15 घटनाएं हुई। इसके बाद टिहरी में 10 और बड़कोट में आग की 8 घटनाएं सामने आईं। इसी तरह टौंस डिवीजन में 5, गोविंद वाइल्ड लाइफ सेंचुरी में 3 घटनाएं दर्ज की गईं। कुमाऊं में आग की केवल 3 घटनाएं अल्मोड़ा में दर्ज हुईं। बाकी घटनाएं गढ़वाल मंडल में सामने आईं। जंगलों में आग फैलने के पीछे तापमान में बढ़ोतरी, तेज हवाएं चलने को भी कारण माना जा रहा है। रेंजर हेमंत बिष्ट ने स्थानीय लोगों और वनकर्मियों समेत पचास लोगों की टीम बनाई और मौके पर आग बुझाने में जुट गए। टीम में वन दरोगा जयपाल रांगड़, अर्जुन कंडारी, वन रक्षक सपना राणा, मनजीत कंडारी, जबर सिंह थे। मसूरी वन प्रभाग के तहत इस सीजन में दून और आसपास के जंगलों में आग की घटनाएं बढ़ रही थीं, लेकिन कुछ समय से जनसहयोग के चलते इन घटनाओं में कमी आई है। लोगों को वनाग्नि रोकने में सहयोग के लिए जानकारी गांव-गांव में दे रहे हैं। जानबूझकर सहयोग नहीं करने पर जेल जैसी कार्रवाई भी की जा सकती है। इसके अलावा भद्रीगाड़ रेंज में भी लोगों को जागरूक किया जा रहा है।

गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री विजय रूपाणी का एनडीए को 360 सीटें मिलने का दावा

अहमदाबाद ।

लोकसभा चुनाव संपन्न हो चुके हैं और 4 जून को इसके नतीजे आएंगे। इससे पहले शनिवार को आखिरी चरण का मतदान खत्म होने के सामने आए ज्यादातर एग्जिट पोल में तीसरी बार भाजपा के नेतृत्ववाले एनडीए को बहुमत मिलने की संभावना व्यक्त की गई है. हांलाकि विपक्ष एग्जिट पोल के आंकड़े स्वीकार करने को तैयार नहीं है। ऐसे में गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री विजय रूपाणी एनडीए को 360 से अधिक सीटें मिलने का दावा किया है। उन्होंने कहा कि सभी एग्जिट पोल में एनडीए को सबसे अधिक सीटें मिलने की संभावना जताई गई है। विजय रूपाणी ने कहा कि गुजरात में भाजपा सभी 26 सीटों पर जीत दर्ज करेगी और देश में 360 से भी ज्यादा सीटें मिलेंगी। पंजाब में भाजपा ने इस बार अपने दम पर चुनाव लड़ा है और वहां 2 से 5 सीट मिलने की संभावना है। क्षत्रिय आंदोलन को लेकर उन्होंने कहा कि क्षत्रिय समाज एक राष्ट्रभक्त समाज है, जिसने देश की संस्कृति के लिए अनेक बलिदान दिए हैं। आंदोलन के कारण भाजपा को थोड़ी मुश्किल जरूर हुई है, लेकिन क्षत्रियों ने अपना वोट भाजपा को ही दिया है। बता दें कि भाजपा 400+ सीटों के लक्ष्य के साथ चुनाव मैदान में उतरी थी। लेकिन ज्यादातर एग्जिट पोल में भाजपा को अपना लक्ष्य मिलता नहीं दिख रहा है। फिलहाल सभी को 4 जून का इंतजार है, जिस दिन लोकसभा चुनाव के नतीजों का ऐलान होगा।

कोलकाता में 230 बूथों पर दोबारा मतदान की मांग करेगी बीजेपी

बूथों पर लाइव वेबकास्टिंग में अनियमितता का लगाया आरोप

कोलकाता।

लोकसभा चुनाव के अंतिम चरण का मतदान 1 जून का सम्पन्न हो गया। इसके बाद शाम से एग्जिट पोल के आंकड़ें सामने आने आने लगे। वहीं पश्चिम बंगाल में बीजेपी के डायमंड हार्बर लोकसभा क्षेत्र के 260 मतदान केंद्रों में से 230 पर दोबारा मतदान की मांग करेगी। बीजेपी ने बूथों पर लाइव वेबकास्टिंग में अनियमितता का आरोप लगाया है। ये सभी बूथ फाल्टा विधानसभा क्षेत्र का हिस्सा है। पश्चिम बंगाल में बीजेपी नेता शुभेंदु अधिकारी ने एक प्रेसवार्ता में कहा कि बीजेपी ने डायमंड हार्बर सीट पर फाल्टा विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले 260 मतदान केंद्रों में से 230 मतदान केंद्रों पर पुनर्मतदान के लिए चुनाव आयोग से फिर से मतदान कराने का अनुरोध करने का निर्णय लिया है। उन्होंने कहा है कि मतदान केंद्रों पर वेबकास्टिंग प्रक्रिया चुनाव आयोग के निर्देशों के अनुसार काम नहीं कर रही थी। डायमंड हार्बर से बंगाल की सीएम ममता बनर्जी के भतीजे और तृणमूल कांग्रेस के नेता अभिषेक बनर्जी मैदान में हैं। यहां से उन्होंने 2014 और 2019 के लोकसभा चुनाव में जीत हासिल की थी।

शुभेंदु ने दावा किया है कि पुलिस ने बीजेपी के डायमंड हार्बर के उम्मीदवार अभिजीत दास उर्फ बॉबी को करीब चार घंटे तक हिरासत में रखा ताकि वह मतदान केंद्रों पर न जा सकें।

उन्होंने आरोप लगाया कि डायमंड हार्बर, मथुरापुर, जयनगर और जादवपुर निर्वाचन क्षेत्रों में मतदान केंद्रों पर बड़ी संख्या में वेबकास्टिंग कैमरे लगाए गए थे। मतदान के दौरान उन्होंने चुनाव आयोग और राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी को एक ईमेल भी लिखा था। इसमें उन्होंने कैमरे फिर से काम करने के सुनिश्चित होने तक मतदान प्रक्रिया को रोकने की मांग की थी।

उन्होंने पुलिस पर सत्तारूढ़ टीएमसी के लिए काम करने का आरोप लगाया।

4 जून को एग्जिट होने वाले व्यक्ति ने ही मैनेज करवाए ये एग्जिट पोल्स

-कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने एग्जिट पोल को लेकर दी प्रतिक्रिया

नई दिल्ली।

लोकसभा चुनाव का आखिरी चरण शनिवार को सम्पन्न हो गया। मतदान के बाद आए एग्जिट पोल को लेकर कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने अपनी प्रतिक्रिया देते हुए उन्होंने सोशल मीडिया एक्स पर लिखा-जिस व्यक्ति का 4 जून को एग्जिट होना तय है, उसने ये एग्जिट पोल्स मैनेज करवाए हैं। इंडिया गठबंधन को निश्चित रूप से कम से कम 295 सीटें मिलेंगी। बिल्कुल स्पष्ट और निर्णायक बहुमत। उन्होंने कहा कि निवर्तमान प्रधानमंत्री इस बीच तीन दिनों तक निश्चिंत रह सकते हैं। ये सब मनोवैज्ञानिक खेल है, जिनमें उन्होंने महारत हासिल कर ली है, लेकिन वास्तविक परिणाम इनसे बहुत अलग होंगे। बदलेगा भारत, जीतेगा इंडिया। इससे पहले विपक्षी गठबंधन इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इंक्लूसिव अलायंस (इंडिया) के घटक दलों के नेताओं ने शनिवार को अनौपचारिक बैठक कर लोकसभा चुनाव की मतगणना से जुड़ी तैयारियों और रणनीति चर्चा की और दावा किया कि गठबंधन को 295 से ज्यादा सीटें हासिल होंगी।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के घर पर हुई इस बैठक में फैसला किया गया कि विपक्षी गठबंधन के घटक दल एग्जिट पोल से जुड़ी टेलीविजन चैनलों की चर्चाओं में भाग लेंगे ताकि बीजेपी और उसके तंत्र को बेनकाब किया जा सके। विपक्षी गठबंधन ने यह भी तय किया कि अपने स्थानीय नेताओं और कार्यकर्ताओं को यह निर्देश देंगे कि चार जून को मतगणना से जुड़ी पूरी प्रक्रिया संपन्न होने तक और जीत का प्रमाण मिलने तक मतगणना केंद्रों पर मौजूद रहे। इंडिया गठबंधन ने चुनाव आयोग से रविवार को मुलाकात का समय मांगा ताकि मतगणना से जुड़े विषयों और शिकायतों को उनके सामने रखने के साथ समाधान की मांग भी कर सकें।

फ्लाइट के लिए 30 घंटे इंतजार, एअर इंडिया ने मांगी माफी

यात्रियों को दिया 350 डॉलर का वाउचर

नई दिल्ली।

एअर इंडिया की फ्लाइट में 30 घंटे की देरी होने से यात्रियों की परेशानी का सामना करना पड़ा। इससे आहत होकर एअर इंडिया ने माफी मांगी, यही नहीं उन यात्रियों को 350 डॉलर का वाउचर भी दिया। ये वाउचर सभी ट्रैवल क्लास में एक समान रूप से दिया गया है, जिन्होंने फ्लाइट का इतना लंबा इंतजार किया। सूत्रों का कहना है कि बॉम्बे हाउस में टाटा के शीर्ष नेतृत्व ने एयरलाइन के प्रबंधन से भी बात की, जिसका अधिग्रहण उन्होंने करीब ढाई साल पहले किया था। इसके बदलाव का यात्रियों को अभी भी इंतजार है। टाटा संस के चेयरमैन एन. चंद्रशेखरन एयरलाइन पर कड़ी नजर जमाए हुए हैं। शनिवार को दिल्ली-वैंकूवर नॉनस्टॉप फ्लाइट 20 घंटे से ज्यादा की देरी से चली, वहीं पिछले 10 दिनों में कैलिफोर्निया की दो नॉनस्टॉप उड़ानें 18 से 30 घंटे की देरी से उड़ान भर सकी। एअर इंडिया प्रबंधन ने वैंकूवर की फ्लाइट में देरी को रिएक्ट किया। उन्होंने कहा कि 1 जून को एआई185 नंबर की फ्लाइट को सुबह 5.20 बजे दिल्ली वैंकूवर के लिए उड़ाना था। तकनीकी समस्याओं और उसके बाद चालक दल के अनिवार्य उड़ान ड्यूटी की समय सीमा के तहत आने के कारण इसमें देरी हुई। एअर इंडिया की ओर से इस दौरान मेहमानों को होटल में ठहरने की सुविधा दी गई और उन्हें पूरा रिफंड और किसी अन्य डेट पर कॉम्प्लिमेंट्री रीशिड्यूलिंग के साथ कैंसिलेशन का विकल्प दिया गया और यात्रियों को हुई परेशानी के लिए खेद जताया है। 30 मई की एआई-183 दिल्ली-सैन फ्रांसिस्को फ्लाइट में 237 यात्रियों सफर करना था, इन यात्रियों में एक नवजात भी था। हालांकि जब ये फ्लाइट 31 मई को तय समय से 30 घंटे बाद रात 10 बजे के आसपास उड़ान भरी तो केवल 199 यात्रियों ने उड़ान भरने का विकल्प चुना।

एअर इंडिया के मुख्य परिचालन अधिकारी क्लॉस गोएर्ज ने बताया कि माफी के तौर पर, हम एयर इंडिया पर भविष्य की यात्रा के लिए 350 डॉलर का ट्रैवल वाउचर देना चाहते हैं। हम आपके पेमेंट सोर्स या बैंक विवरण के जरिए यह राशि आपके खाते में जमा कर सकते हैं। हम अतीत को नहीं बदल सकते, लेकिन मुझे विश्वास है कि यह अपील उनको हुई असुविधा और यात्रा में हुए व्यवधान में सच्चे दुख को दर्शाता है।

एआई ने बोर्डिंग से इनकार, उड़ानों को रद्द करने और उड़ानों में देरी के कारण एयरलाइनों की ओर से यात्रियों को प्रदान की जाने वाली सुविधाओं के प्रावधानों का उल्लंघन किया है। एआई बार-बार यात्रियों की उचित देखभाल करने और नियमों का पालन करने में विफल रहा है। एआई को तीन दिन में यह बताने के लिए कहा गया है कि उसके खिलाफ प्रवर्तन कार्रवाई क्यों नहीं शुरू की जानी चाहिए।

दुनिया भर में 53.7 करोड़ लोगों को है डायबिटीज

-चीन और भारत इसके सबसे ज्यादा शिकार

नई दिल्ली ।

दुनिया भर में 53.7 करोड़ लोगों को डायबिटीज है। लेकिन चीन और भारत इसके सबसे ज्यादा शिकार हैं। चीन में जहां 14 करोड़ लोग डायबिटीज के मरीज हैं वहीं भारत में करीब 10 करोड़ लोग डायबिटीज के शिकार हो चुके हैं। इंटरनेशनल डायबेट्स फेडरेशन के मुताबिक, डरावना सच यह है कि डायबिटीज इतनी तेजी से लोगों को अपना शिकार बना रही है कि 2030 तक हर चार में एक वयस्क व्यक्ति इसकी चपेट में आ जाएगे। चिंता की बात यह है कि भारत को अभी से डायबिटीज कैपिटल ऑफ वर्ल्ड कहा जाने लगा है। वयस्क होते ही अधिकांश लोग डायबिटीज की जद में होते हैं। इसके लिए हर किसी को जानना जरूरी है कि कौन-कौन लोग इसकी जद में होते हैं। डायबिटीज एक ऐसी स्थिति है जिसमें खून में शुगर या ग्लूकोज की मात्रा बढ़ जाती है। ऐसा तब होता है जब पैंक्रियाज में बीटा सेल्स में गड़बड़ी हो जाती है और इस कारण इंसुलिन हार्मोन पर्याप्त नहीं बनता है या इंसुलिन हार्मोन बनता तो है लेकिन यह सही तरह से काम नहीं करता है। दरअसल, हम जो भोजन करते हैं, उसमें जो कार्बोहाइड्रेट होता है उसी से ग्लूकोज बनता है। इंसुलिन इस ग्लूकोज को पचाकर एनर्जी में बदल देता है। लेकिन जब यह नहीं पचता तो खून में तैरता रहता है जो धीरे-धीरे किडनी, हार्ट, लिवर, आंख जैसे कई अंगों को प्रभावित करने लगता है। इसलिए यह खतरनाक बन जाता है। एक बार जब डायबिटीज हो जाए तो इससे मुक्ति पाना बेहद मुश्किल हो जाता है। हैल्थ एक्सपर्ट्स के मुताबिक डायबिटीज का जोखिम कई बातों पर निर्भर करता है। इसके लिए एक नहीं बल्कि कई कारण हैं। सामान्य जो आंकड़े हैं, उसके हिसाब से चीन और दक्षिण एशियाई लोग इसकी जद में ज्यादा हैं। हालांकि जिन लोगों का लाइफस्टाइल बहुत शिथिल या गतिहीन हैं यानी हमेशा बैठे रहते हैं, कोई शारीरिक काम नहीं करते हैं, कम हिलते-डुलते हैं, एक्सरसाइज नहीं करते, वे लोग डायबिटीज के ज्यादा शिकार होते हैं।

संक्षिप्त समाचार

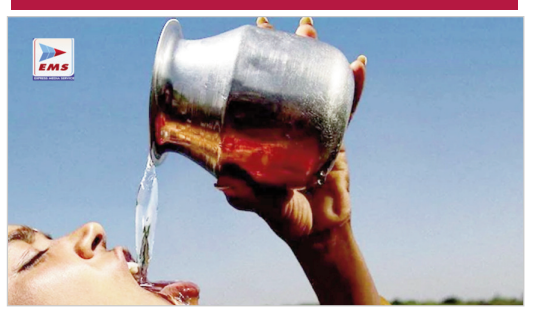

देश में करीब 6.3 करोड़ लोगों को नहीं मिल पा रहा साफ पीने का पानी

-सर्वे में खुलासा- देश के करीब 22 हजार लोगों ने सर्वे में लिया भाग

नई दिल्ली। देश के कई राज्यों में पानी की समस्या है, खास तौर पर पीने के पानी की। इस समय दिल्ली भीषण गर्मी की चपेट में है, वहीं दूसरी तरफ केरल और देश के कई इलाकों में मानसून के जल्द आने की खबर है। बारिश के पानी को इकट्ठा करने के लिए पर्याप्त और उचित बुनियादी ढांचे की कमी के कारण पीने के पानी की कमी हो गई है। देश में करीब 6.3 करोड़ लोगों को साफ पीने का पानी नहीं मिल पा रहा है। ऐसी स्थिति में लोग डायरिया, हैजा और टाइफाइड जैसी बीमारियों से जूझ रहे हैं। सर्वे के मुताबिक डब्ल्युएचओ की एक रिपोर्ट में इस बात पर प्रकाश डाला गया है कि भारत में सभी घरों के लिए सुरक्षित रूप से प्रबंधित पेयजल सुनिश्चित करने की जरूरत है। सर्वे में देश के 322 से अधिक जिलों के करीब 22 हजार लोगों ने हिस्सा लिया। सर्वे में बताया कि 4फीसदी भारतीय परिवारों ने कहा कि उन्हें अपने लोकल प्लांट से पीने योग्य साफ पानी मिलता है। वहीं 41फीसदी ने कहा कि उन्हें मिलने वाले पानी की क्वॉलिटी अच्छी है लेकिन पीने लायक नहीं है। वहीं, सर्वे में दिल्ली के 3733 लोगों ने हिस्सा लिया। इनमें से 28फीसदी ने बताया कि वे पानी को साफ करने के लिए वॉटर प्यूरीफायर का इस्तेमाल करते हैं। वहीं 41फीसदी आरओ, 6फीसदी फिटकरी और अन्य खनिजों, 8फीसदी गर्म करके, 4फीसदी मिट्टी के बर्तनों का इस्तेमाल करके पानी की सफाई करते हैं। वहीं, 8फीसदी ने बताया कि वे पीने और खाने के लिए बोतल और 4फीसदी ने कहा कि जैसी सप्लाई आती है, उसे ही पीते हैं सफाई नहीं करते। उधर 26फीसदी लोगों ने कहा कि पाइप लाइन के पानी की सप्लाई खराब है। 24फीसदी ने इसे औसत, 19फीसदी ने अच्छा, 13फीसदी ने बेहद खराब और 6फीसदी ने बहुत अच्छा बताया। वहीं, 9फीसदी ने कहा कि पाइप में पानी नहीं आता। बाकी 3फीसदी ने इसपर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी।

कांग्रेस प्रत्याशी देवेंद्र यादव बोले - बिलासपुर में बदली गईं 611 ईवीएम

बिलासपुर। बिलासपुर संसदीय सीट की मतगणना के पहले ईवीएम पर सियासत गरमा गई है। कांग्रेस प्रत्याशी देवेंद्र यादव ने पत्रकार वार्ता कर चुनाव आयोग की प्रक्रिया पर गंभीर आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि 611 ईवीएम बदलीं गईं और मॉक पोल और 17 सी फार्म में इनके नंबर अलग अलग बताए गए हैं। उन्होंने कहा कि यह जीत-हार से अधिक बड़ा सवाल है कि बदली गई ईवीएम के नंबर में गड़बडियां क्यों की गई? मतगणना से पहले यदि इसमें स्पष्टता नहीं आती है तो हम न्यायालय का दरवाजा खटखटाएंगे। कांग्रेस प्रत्याशी देवेंद्र यादव ने कहा कि निर्वाचन आयोग के अफसरों पर आरोप लगाया कि 611 ईवीएम में गड़बडियां भाजपा को मदद करने और चुनाव को प्रभावित करने के लिए की गईं। उन्होंने कहा कि मतगणना के पूर्व उनके द्वारा उठाई गई आपत्तियों पर जिला निर्वाचन की ओर से स्पष्टता आनी चाहिए थी, जो अब तक नहीं मिली है।

हर विधानसभा में गड़बड़ी पाई गई

देवेंद्र यादव ने कहा कि बिलासपुर और मुंगेली के जिला निर्वाचन अधिकारी द्वारा दिए गए दस्तावेज और मतदान दलों द्वारा दिए गए 17 सी के मिलान के बाद 98 बैलेट यूनिट में भिन्नता पाई गई। इसी प्रकार अन्य विधानसभा क्षेत्रों में पाई गई भिन्नता को मिला कर कुल 611 ईवीएम मशीनों के नंबरों में गड़बडियां पाई गईं। उन्होंने यहां तक कहा कि यदि इस मामले में स्पष्टता नहीं आती है तो यह लोकतंत्र की हत्या होगी।

वोटिंग के बाद विधायक ने इस्तीफा वापस लिया

जालंधर। पंजाब के जालंधर वेस्ट से विधायक शीतल अंगुराल ने रविवार को अपना इस्तीफा वापस ले लिया। अंगुराल 2022 में हुए विधानसभा चुनाव में आम आदमी पार्टी की टिकट से चुनाव लडक़र विधायक बने थे। लोकसभा चुनाव से पहले 27 मार्च को वह भाजपा में शामिल हो गए थे। इसके बाद उन्होंने विधायक पद से इस्तीफा दे दिया। विधानसभा अध्यक्ष ने वेरिफिकेशन के लिए 3 जून को शीतल अंगुराल को बुलाया था। लोकसभा चुनाव की वोटिंग के अगले दिन ही शीतल ने विधानसभा अध्यक्ष को पत्र लिखकर कहा- अगर अब तक उनका इस्तीफा स्वीकार कर लिया जाता तो पश्चिम हलके में दोबारा चुनाव करवाने पड़ेंगे, जिससे सरकार का चुनाव खर्च भी बढ़ जाता। यही वजह है कि वह अपना इस्तीफा वापस ले रहे हैं।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

भ्रष्टाचार प्रतियोगिता में

&

भ्रष्टाचार की जानकारी देने

National Rights Group Youtube Channel

krantisamay@gmail.com

9879141480

fight against corruption india

भारत में भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई